Web Portal
www.ghatatighatana.com
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

घटती घटना

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक -318 शुक्रवार,23 सितम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

बुद्धिमान लोग कभी भी अपनी हानि पर शोक नहीं करते,बल्कि प्रसन्नतापूर्वक अपनी क्षति को पूरा करने का उपाय करते हैं।

-शेक्सपियर-

संक्षिप्त समाचार

11 साल की रेप पीड़िता ने बच्चे को दिया जन्म

उन्नाव , 22 सितम्बर 2022। उत्तर प्रदेश के उन्नाव के जिला अस्पताल में 11 वर्षीय रेप पीड़िता ने एक बच्चे को जन्म दिया है। डॉक्टरों ने कहा कि अस्पताल के एनआईसीयू में नवजात के स्वास्थ्य की निगरानी की जा रही है। शुरू में, सीएचसी (मौरवां) में पुलिस और मेडिकल स्टाफ को विश्वास नहीं हुआ कि लड़की गर्भवती हो सकती है।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी संजय मिश्रा ने बताया कि दुष्कर्म पीड़िता को प्रसव पीड़ा के बाद जिला अस्पताल लाया गया। उसकी नॉर्मल डिलीवरी हुई और बच्चे का वजन 2.60 किलोग्राम है। मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

परिवार के नियमित संपर्क में रहने वाली सीडब्ल्यूसी चेयरपर्सन प्रीति सिंह ने कहा कि शुरू में बच्चे को सांस लेने में दिक्कत थी। उन्होंने कहा, ÷बच्चे को अस्पताल के एनआईसीयू में स्थानांतरित कर दिया गया है, जहां उसकी स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।÷

इस साल जनवरी में पीड़िता का अपहरण कर तीन लोगों ने उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया था। जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट भी लगाया।

शिवपुरी में खूनी संघर्ष में एक की मौत, कई घायल

शिवपुरी , 22 सितम्बर 2022। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में जमीन कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच हुए खूनी संघर्ष में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि नरवर थाना क्षेत्र के ग्राम शेरगढ़ में वन विभाग की शासकीय जमीन पर कब्जा करने को लेकर दो पक्षों के बीच कल हुए खूनी संघर्ष में लाल सिंह नामक एक व्यक्ति की मौत हो गयी। दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गये है। घायलों को जिला चिकित्सालय भेजा गया है। पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच में लिया है।

सड़क हादसे में मोटर व्हेकल्स इंस्पेक्टर, सिविक वालेंटियर समेत तीन की मौत

हावड़ा ,22 सितंबर 2022। राज्य भर में सड़क हादसों का क्रम जारी है। आज हावड़ा में एक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। घटना आज तड़के दो से ढाई बजे के बीच 16 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर घटी है। हावड़ा में एन. एच. 6 पर एक बेपरवाह ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में मोटर व्हेकल्स इंस्पेक्टर, सिविक वालेंटियर समेत 3 की मौत हो गयी। पुलिस के अनुसार मोटर व्हेकल विभाग की कार महानगर कोलकाता की ओर जा रही थी। तभी नाका चेकिंग में एक वालेंटियर कार की चेकिंग कर रहा था। तभी पीछे से आयी बेपरवाह ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। उक्त घटना घट गयी।

PFI प्रमुख समेत अब तक 106 सदस्यों पर शिकंजा

तिरुवनंतपुरम/चेन्नई , 22 सितम्बर 2022। आतंकवादियों की कमर तोड़ने के लिए आज राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए)और प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने तमिलनाडु, केरल समेत 15 राज्यों में पीएफआई के ठिकानों पर छापेमारी की है। छापेमारी के दौरान 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिन राज्यों में एनआईए ने छापेमारी की है उनमें केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, असम, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र शामिल हैं। पीएफआई और उससे जुड़े लोगों की ट्रेनिंग गतिविधियों, टेरर फंडिंग और लोगों को संगठन से जोड़ने के खिलाफ ये अबतक की सबसे बड़ी कार्रवाई है।

यहां-यहां मारे छापे

एनआईए ने आज पीएफआई पर 15 राज्यों में 93 स्थानों पर छापा मारा। केरल-39, तमिलनाडु-16, कर्नाटक-12, आंध्र प्रदेश-7, तेलंगाना-1, उत्तर प्रदेश-2, राजस्थान-4, दिल्ली-2, असम-1, मध्य प्रदेश-1, महाराष्ट्र-4, गोवा-1, पश्चिम बंगाल-1, बिहार-1 और मणिपुर में 1 स्थान पर छापा मारा। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए के करीब 300 अधिकारी तलाशी अभियान में शामिल रहे। एनआईए डीजी ने ऑपरेशन की निगरानी की। 2010-11 से पहले पीएफआई मामलों में कुल 46 आरोपियों को दोषी ठहराया गया था और पीएफआई के खिलाफ मामलों में 355 आरोपियों पर पहले ही आरोपपत्र दायर किया जा चुका है।

पीएफआई अध्यक्ष गिरफ्तार, विरोध प्रदर्शन शुरू

एनआईए और ईडी ने मलप्पुरम जिले के मंजेरी में पीएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओएमए सलाम के अलावा पीएफआई के दिल्ली हेड परवेज अहमद के घर पर छापेमारी की और गिरफ्तार कर लिया है। इस दौरान पीएफआई कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इसके अलावा कर्नाटक के मंगलुरु में भी एनआईए की छापेमारी के खिलाफ पीएफआई और एसडीपीआई के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि इन्हें हिरासत में ले लिया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की बैठक

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पीएफआई पर एनआईए के छापे को लेकर NSA, गृह सचिव, डीजी एनआईए सहित अधिकारियों के साथ बैठक की।

जांच एजेंसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

राज्य से कितनी गिरफ्तारियां हुई

एनआईए, ईडी और राज्य पुलिस की संयुक्त टीमों ने 11 राज्यों में अब तक कुल 106 पीएफआई सदस्यों को गिरफ्तार किया है। जिसमें आंध्र प्रदेश-5, असम-9, दिल्ली-3, कर्नाटक-20, केरल-22, मध्यप्रदेश-4, महाराष्ट्र-20, पुडुचेरी-3, राजस्थान-2, तमिलनाडु-10 और यूपी से आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया।

कल हड़ताल करेगा पीएफआई

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के कार्यकर्ताओं ने छापेमारी के खिलाफ गुरुवार को पूरे केरल में विरोध प्रदर्शन किया। संगठन ने केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ अपने मजबूत विरोध को चिह्नित करने के लिए शुक्रवार को दक्षिणी राज्य में सुबह से शाम तक की हड़ताल का भी आह्वान किया। पीएफआई के एक बयान में कहा गया है कि उसकी राज्य समिति ने पाया कि नेताओं की गिरफ्तारी राज्य प्रायोजित आतंकवाद का हिस्सा थी।

पीएफआई के राज्य महासचिव ए अब्दुल सथर ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर असहमति की आवाज को दबाने की आरएसएस नियंत्रित फासीवादी सरकार की कोशिश के खिलाफ 23 सितंबर को राज्य में हड़ताल की जाएगी। उन्होंने बयान में कहा कि हड़ताल सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक होगी।

राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर के नेताओं के ठिकानों पर छापेमारी

पीएफआई के राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर के नेताओं के घरों पर छापेमारी हो रही है। राज्य समिति कार्यालय पर भी छापेमारी की जा रही है। संगठन ने एक बयान में कहा कि असहमति की आवाज को दबाने के लिए फासीवादी शासन द्वारा एजेंसियों का बेजा इस्तेमाल करने के कदमों का हम कड़ा विरोध करते हैं।

तमिलनाडु के डिंडीगुल में छापेमारी

एनआईए के अधिकारी तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पार्टी कार्यालय पर छापेमारी की। पीएफआई के 50 से ज्यादा सदस्यों ने एनआईए की छापेमारी के खिलाफ पार्टी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया।

मध्यप्रदेश के इंदौर और उज्जैन से भी गिरफ्तारी

मध्यप्रदेश के इंदौर और उज्जैन में एनआइए ने पीएफआइ के ठिकानों पर मारा छापा है। पीएफआइ के मध्य प्रदेश लीडर को गिरफ्तार किया गया। चार नेता इंदौर और उज्जैन से गिरफ्तार किए गए।

दो संदिग्ध लखनऊ से गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत पूर्वांचल और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में यूपीएटीएस व एनआईए की छापेमारी में दो संदिग्धों को लखनऊ से हिरासत में लिया गया है।

बिहार में भी पीएफआई पर शिकंजा

बिहार के पूर्णिया में राष्ट्रीय जांच एजेंसी एएनआई, पीएफआई कार्यालय में तलाशी ले रही है।

असम से नौ पीएफआई से जुड़े लोग हिरासत में

असम पुलिस ने राज्य भर में पीएफआई से जुड़े नौ लोगों को हिरासत में लिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि, कल रात असम पुलिस और एनआईए ने संयुक्त रूप से गुवाहाटी के हाटीगांव इलाके में अभियान चलाया और पीएफआई से जुड़े राज्य भर में 9 लोगों को हिरासत में लिया। छ्छ्रू कामरूप कोर्ट ने 9 अभियुक्तों को 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा।

पीएफआई के 10 कार्यकर्ता गिरफ्तार

सीपीआरओ के मुताबिक, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के 10 कार्यकर्ताओं को पूरे राज्य में सांप्रदायिक रंग के साथ सत्ता विरोधी प्रचार प्रसार करने और माहौल को खराब करने एवं देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

इन लोगों का नाम चार्जशीट में शामिल

चार्जशीट में जिन लोगों के नाम शामिल हैं, उनमें के ए रऊफ शेरिफ, कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया (सीएफआई) के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतीकुर रहमान, दिल्ली स्थित सीएफआई के महासचिव मसूद अहमद, पीएफआई से जुड़े पत्रकार सिद्दीकी कप्पन और मोहम्मद आलम के नाम शामिल हैं।

20 पीएफआई कार्यकर्ताओं को हिरासत में

नासिक में एनआईए और ईडी ने पीएफआई के ठिकानों पर छापेमारी की। इसी कड़ी में पीएफआई नेता सैफुर रहमान को मेडिकल के लिए सिविल अस्पताल लाया गया। ृइस्र एसपी संदीप खाड़े ने बताया कि महाराष्ट्र में नांदेड़ के 5 सहित 20 पीएफआई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है।

ज्ञानवापी के कार्बन डेटिंग पर 29 सितंबर को सुनवाई

मुस्लिम पक्ष की 8 हफ्ते की मोहलत वाली मांग खारिज

वाराणसी , 22 सितम्बर 2022। वाराणसी की अदालत ने ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी विवाद मामले में सुनवाई से पहले 8 सप्ताह का समय देने की मुस्लिम पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया। मामले की अगली सुनवाई 29 सितंबर को निर्धारित की गई है। अदालत ने मुस्लिम पक्ष को भी नोटिस जारी कर हिंदू पक्ष की ओर से 29 सितंबर तक %शिवलिंग% की कार्बन डेटिंग के आवेदन पर आपत्ति दर्ज कराने को कहा। हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि शिवलिंग की कार्बन डेटिंग की मांग को लेकर वे एक आवेदन दाखिल किया। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील विष्णु एस जैन ने कहा कि कोर्ट ने कार्बन डेटिंग के लिए हमारे आवेदन पर नोटिस जारी किया और मुस्लिम पक्ष से आपत्ति की मांग की है।

जैन ने कहा कि हम कार्बन डेटिंग की मांग कर रहे हैं। मुस्लिम पक्ष कहता है कि यह एक फव्वारा है, हम कहते हैं कि यह एक शिवलिंग है। एक स्वतंत्र निकाय को इसकी जांच और पता लगाना चाहिए। कोर्ट ने कार्बन डेटिंग के हमारे आवेदन पर नोटिस जारी किया और मुस्लिम पक्ष से आपत्ति की मांग की है। 29 सितंबर को अगली सुनवाऊ होगी। अदालत ने मस्जिद समिति द्वारा अगली सुनवाई की तैयारी के लिए मांगे गए 8 सप्ताह के समय की मांग को खारिज कर दिया। कोर्ट ने आगे हिंदू पक्ष से 16 अभियोजकों को हटाने पर आपत्ति जताई, जो 5 मूल वादियों के ऊपर और ऊपर शामिल हुए थे। मामले को 29 सितंबर को अगली सुनवाई के दौरान लाया जाना तय है। दूसरी तरफ ऑर्डर 1 रूल 10 के तहत पक्षकार बनने के लिए 16 लोगों ने आवेदन दिया था।

गुजरात विधानसभा के आखिरी दिन हंगामे के बीच कांग्रेस के 11 विधायक निलंबित

गांधीनगर ,22 सितंबर 2022। स्थानीय निकायों में जाति आधारित जनगणना और ओबीसी आरक्षण पर बहस की मांग को लेकर हंगामा करने के बाद गुरुवार को कांग्रेस के 11 विधायकों को गुजरात विधानसभा से एक दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। जब सदन गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी पर संशोधन विधेयक पर चर्चा कर रहा था, तो कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने स्थानीय निकायों में ओबीसी आरक्षण पर बहस की मांग की। स्पीकर नीमाबेन आचार्य ने यह कहते हुए अनुरोध को ठुकरा दिया कि पार्टी को इसके लिए पहले अनुरोध करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि चूंकि सदन में चर्चा चल रही है, इसलिए अचानक बहस संभव नहीं है।

कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के लिए अधिसूचना जारी

17 अक्टूबर हो होगी वोटिंग...इन नेताओं के बीच टक्कर की संभावना

नई दिल्ली, 22 सितम्बर 2022। कांग्रेस के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण ने गुरुवार को ृढ्ढष्ट अध्यक्ष चुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी है. अधिसूचना के अनुसार गुरुवार से नामांकन फॉर्म उपलब्ध होंगे, जबकि 24 सितंबर से 30 सितंबर के बीच नामांकन दाखिल किया जाएगा. नामांकन की जांच एक अक्टूबर को होगी और उसी दिन वैध उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित की जाएगी. नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 8 अक्टूबर है, जिसके बाद एक अंतिम सूची लाई जाएगी. 17 अक्टूबर को वोटिंग होगी, वहीं मतगणना 19 अक्टूबर को होगी.

सूत्रों के अनुसार, अशोक गहलोत और शशि थरूर के बीच संभावित मुकाबला होगा. अशोक गहलोत ने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से दो घंटे तक मुलाकात की. जिसके बाद वह राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल होने के लिए केरल के लिए रवाना हो गए. सूत्रों ने बताया कि सोनिया गांधी ने कहा है कि चुनाव निष्पक्ष होगा और वह किसी भी उम्मीदवार का समर्थन नहीं करेंगी. जाहिर तौर पर बैठक में राजस्थान के मुद्दे पर भी चर्चा हुई, लेकिन इस पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

गहलोत के बाद अब दिग्विजय सिंह की एंट्री

कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव की तारीख नजदीक आते ही कांग्रेस अध?यक्ष पद के चुनाव के लिए गहमा गहमी शुरू हो गई है। अध्यक्ष पद के लिए अशोक गहलोत के नाम सामने आने के बाद वरिष?ठ नेता दिग्विजय सिंह के दिल?ली पहुंचने की खबरों ने एक नई संभावना को हवा दी है।

सूत्रों के हवाले से आ रही खबर के मुताबिक, दिग्विजय सिंह आज दिल?ली पहुंच रहे हैं और इस दौरान वह कांग्रेस की अंतरिम अध?यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे।

बताया जा रहा है कि वह कांग्रेस अध्यक्ष पद के दावेदार हो सकते हैं। हालांकि, दिग्विजय सिंह की ओर से या किसी अन?य कांग्रेस नेता की ओर से कोई बयान इसे लेकर जारी नहीं किया गया है। कांग्रेस अध?यक्ष पद के लिए चुनाव की अधिसूचना आज जारी होने जा रही है। कांग्रेस के अध?यक्ष पद के चुनाव के लिए रेस कल से शुरू होने जा रही है। 24 सितंबर से 30 सितंबर तक नामांकन किया जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की अधिसूचना आज जारी होने जा रही है। कांग्रेस के अध?यक्ष पद के चुनाव के लिए रेस कल से शुरू होने जा रही है। 24 सितंबर से 30 सितंबर तक नामांकन किया जाएगा।

राजू श्रीवास्तव पंचतत्व में विलीन

मौन हो गया सबको हंसाने वाला

नई दिल्ली, 22 सितम्बर 2022। 21 सितंबर, वो दिन जब पूरे देश की आंखें नम हुई. सबको हंसाने वाले राजू श्रीवास्तव रूलाकर चले गए. राजू श्रीवास्तव ने 42 दिनों तक अस्पताल में जिंदगी से जंग लड़ने के बाद आखिरी सांस ली. उन्हें 10 अगस्त को जिम में वर्कआउट करते हुए कार्डियक अरेस्ट आया था. कई दिनों तक उनका इलाज चला. पर सबके चहेते गजोधर भैया बच नहीं सके.

सबको हंसाने वाला एक सितारा हमेशा के लिए मौन हो गया. कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव पंचतत्व में विलीन हुए. दिल्ली के निगमबोध घाट में राजू का अंतिम संस्कार किया गया. फैंस, परिजन और परिवार ने कॉमेडियन को नम आंखों से विदाई दी।

BMC ने दिया उद्धव और शिंदे गुट को बड़ा झटका, शिवाजी पार्क में दशहरा रैली की नहीं दी मंजूरी

मुंबई, 22 सितम्बर 2022। मुंबई के शिवाजी पार्क मैदान में शिवसेना द्वारा भव्य दशहरा रैली आयोजित की जाती है। इस रैली में हजारों की संख्या में देश भर के शिवसैनिक यहां एकत्रित होते हैं और संगठन व पार्टी सम्बंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाती है । इस बार दशहरा रैली को लेकर उद्धव ठाकरे गुट के अलावा एकनाथ शिंदे गुट को झटका लगा है। दरअसल बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने शिवसेना के उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को यहां के शिवाजी पार्क में दशहरा रैली के आयोजन की अनुमति नहीं दी। बीएमसी के एक अधिकारी ने आज यह जानकारी दी।

बीएमसी के अधिकारियों के अनुसार, मुंबई पुलिस द्वारा उठाए गए कानून व्यवस्था से संबंधित मुद्दों के आधार पर शिवाजी पार्क में रैली आयोजन की अनुमति देने से इनकार किया गया। बीएमसी आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने बताया कि बीएमसी प्रशासन ने शिवसेना के दोनों गुटों को पांच अक्टूबर को दशहरा के अवसर पर शिवाजी पार्क में एक रैली के आयोजन की अनुमति देने से इंकार कर दिया है।

अधिकारियों ने बताया कि बीएमसी ने पत्र भेजकर दोनों गुटों को अनुमति नहीं देने की जानकारी दी है। ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के अनिल देसाई ने 22 अगस्त को बीएमसी को मध्य मुंबई के प्रतिष्ठित पार्क में रैली आयोजित करने की अनुमति के लिए आवेदन किया था। बाद में 30 अगस्त को शिंदे गुट के विधायक सदा सर्वंकर ने भी दशहरा रैली आयोजित करने के लिए बीएमसी के जी-नॉर्थ वार्ड से अनुमति को लेकर आवेदन किया था। पिछले हफ्ते शिंदे गुट को मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के एमएमआरडीए मैदान में एक रैली करने की अनुमति मिली थी।

संपादकीय

थरूर क्या पवार जितना वोट ले पाएंगे ?

शशि थरूर कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने इस बारे में सोनिया गांधी से बात की है और उनकी इजाजत मांगी है। सोनिया गांधी ने बताया जा रहा है कि उनसे कहा है कि इस बारे में अंतिम फैसला उनको करना है। अगर वे अध्यक्ष का चुनाव लड़ना चाहते हैं तो कोई बात नहीं है, स्वागत है। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया है कि अगर अध्यक्ष पद का चुनाव होता है तो वे तटस्थ रहेंगी। यानी किसी भी उम्मीदवार के पक्ष या विपक्ष में वे या परिवार का कोई सदस्य अपील नहीं करेगा या प्रचार नहीं करेगा। हालांकि यह सिर्फ कहने की बात होती है।

बताया जा रहा देश के तमाम राज्यों की कमेटियों से राहुल गांधी को फिर से अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव पास होने के बावजूद राहुल अध्यक्ष का चुनाव नहीं लड़ेंगे। यह लगभग तय बताया जा रहा है कि वे परचा नहीं दाखिल करेंगे। इसका मतलब है कि नेहरू-गांधी परिवार को कोई उम्मीदवार उतारना होगा। वह उम्मीदवार अशोक गहलोत हो सकते हैं। सबसे ज्यादा संभावना उनके नाम की है। हालांकि उन्होंने भी प्रदेश कमेटी से राहुल के नाम का प्रस्ताव भिजवाया है लेकिन कहा जा रहा है कि राहुल की ना के बाद सोनिया गांधी की नजर उनके ऊपर है। वे कांग्रेस अध्यक्ष हो सकते हैं। लेकिन उससे पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री पद का मसला भी सुलझाना होगा। बहरहाल, बड़ा सवाल यह है कि अशोक गहलोत बनाम शशि थरूर का मुकाबला हो या सोनिया गांधी के परिवार की ओर से उतारे गए किसी भी दूसरे उम्मीदवार से थरूर का मुकाबला हो तो क्या थरूर उतने वोट ले पाएंगे, जितने कांग्रेस अध्यक्ष के पिछले चुनाव में हारने वाले शरद पवार को मिले थे? ध्यान रहे कांग्रेस अध्यक्ष का एक दिलचस्प चुनाव 1997 में हुआ था, जब नरसिंह राव की जगह लेने के लिए सोनिया गांधी ने सीताराम केसरी का समर्थन किया था। केसरी तब कांग्रेस के कोषाध्यक्ष थे और परिवार के करीबी माने जाते थे। हालांकि बाद में उन्हीं सीताराम केसरी ने सोनिया गांधी को किनारे करने का प्रयास किया और बड़े बेइज्जत होकर अध्यक्ष पद से हटे थे। सीताराम केसरी को कांग्रेस के दो दिग्गज नेताओं ने चुनौती थी। सोनिया गांधी के सक्रिय राजनीति में उतरने की संभावना को भांप कर शरद पवार ने परचा दाखिल किया था और राजेश पायलट भी मैदान में उतरे थे। उस चुनाव में कुल 7,460 वैध वोट पड़े थे, जिनमें से 6,227 वोट केसरी को मिले थे। शरद पवार सिर्फ 882 वोट हासिल कर पाए थे और पायलट को 354 वोट मिले थे। अगर सोनिया परिवार की ओर से उतारे गए उम्मीदवार के सामने थरूर आते हैं तो उनकी पहली चुनौती सम्मानजनक वोट हासिल करने की होगी। यह देखना दिलचस्प होगा कि वे शरद पवार जितना वोट ले पाते हैं या नहीं।

दिल के घरौंदे

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

दिल के घरौंदे को तोड़ के, न जाओ जानेजाना।
अभी बादलों में छुपा चांद है,तुम भी जरा पास आना।
कलियों ने घूंघट उतारा, गुलों के आगोश में,
बेचैन होने लगा है, देखो ये दिल जोश में,
रंगी नज़ारों को देखो जरा,पलकें न यूं झुकाना।
अभी बादलों में छुपा चांद है, तुम भी जरा पास आना।
सुनो दिल की धड़कन कभी, मिट जाएं यूं दूरियां,
कभी लब कहें लब सुनें, रहने दो यूं दरमियां,
ऐसे न शरमा सिमट के, लिखने दे रंगी फसानां।
अभी बादलो में छुपा चांद है, तुम भी जरा पास आना।
धड़कन की आयतों में, तेरा नाम है हमसफ़र,
आंचल में है शाम तेरी, तबस्सुम से खिलती सहर,
रहने दे साथ साथ में, अब न कहीं दूर जाना।
अभी बादलों में छुपा चांद है, तुम भी जरा पास आना।

मुश्किल हो गयी

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

थी लबों जो बात, मुश्किल हो गयी
दिल के ये हालात, मुश्किल हो गयी
एक तो मारे हुए हैं फ़िराक़-ए-यार के
और उसपे आयी रात, मुश्किल हो गयी
गुफ़्तगू की बानगी दो लफ्ज़ कह डाले
उफ्फ ये उनकी बात, मुश्किल हो गयी
है लोग चंद ऐसे भी जो शहद से मीठे
और दिल में छुपी घात, मुश्किल हो गयी
गाने बैठे गीत तो किस किस तरह
कह दिए जज़्बात, मुश्किल हो गयी

फूलों की लड़ियां

ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर
भोपाल मध्यप्रदेश

चांद सितारे फूलों की लड़ियां अच्छा अच्छा सोचना।
किस किस के घर में आज बुझा है दिया सोचना।
कितने महफ़ूज़ हैं उसकी शहादत के बूते,
दाने दाने को मोहताज है उसकी बेवा सोचना।
खुले आम घूम रहा है अस्मत का लुटेरा,
बेबस है इंसान के निगेहबान जरा सोचना।
सांझ ढले हम तो लौट चले हैं अपने घरों को,
क्यूं काटे शज़र किसने तोड़ा घरौंदा सोचना।
हमने पैसा बहुत कमाया मगर क्या फायदा,
होना है मयस्सर टुकड़ा दो गज का सोचना।

किसानों की तकदीर बदल सकती है औषधीय खेती

अमित बैजनाथ गर्ग
जयपुर, राजस्थान

औषधीय वनस्पतियां पर्यावरण बचाने और बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। जैविक पौधों की खेती से या जंगल क्षेत्र में जड़ी-बूटी जैसे फॉरेस्ट प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने से जैव विविधता का रक्षण होता है। जंगलों और सुनसान इलाकों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए कई प्रोजेक्ट्स में औषधीय पौधों को शामिल किया जा रहा है। इससे जंगलों की कटाई और अन्य विनाशकारी गतिविधियां कम हो रही हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि विकासशील देशों में करीब 80 फीसदी लोग अपनी स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए जड़ी-बूटी आधारित दवाओं पर निर्भर हैं। सदियों पुरानी चिकित्सा पद्धतियों जैसे आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी में जड़ी-बूटियों से इलाज किया जाता है। होम्योपैथी दवाओं और करीब 40 फीसदी आधुनिक दवाओं में भी पेड़-पौधों से निकाले गए तत्वों का इस्तेमाल होता है। यही वजह है कि दुनिया में औषधीय और सुगंधित पौधों और उनके उत्पादों की वैश्विक मांग सालाना 15 फीसदी की दर से बढ़ रही है। विश्लेषकों का मानना है कि 2050 तक जड़ी-बूटियों से बने उत्पादों का बाजार 5 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच सकता है। आधुनिक दवाओं के दुष्प्रभावों के कारण इन उत्पादों की मांग बढ़ रही है। भारत के पास जड़ी-बूटियों का भंडार है और उसे दुनिया का हर्बेरियम कहा जाता है, लेकिन फिर भी इन उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भागीदारी बहुत कम है।

भारत दुनिया के उन 12 देशों में शामिल है, जहां अपार जैव विविधता है। दुनिया में अपार जैव विविधता वाले 18 क्षेत्र हैं, जिनमें से दो भारत में हैं। भारत में 960 तरह की जड़ी-बूटियों का व्यापार होता है, लेकिन उनमें से केवल 35-40 की ही व्यावसायिक खेती होती है। बाकी जड़ी-बूटियां जंगलों से एकत्र की जाती हैं, जिसके कारण वन्य भंडार तेजी से कम हो रहा है। दुख की बात यह है कि इन जड़ी-बूटियों का दोहन बेतरतीब ढंग से किया जा रहा है, जिससे उनके दोबारा उगने की संभावना कम है। औषधि वनस्पतियां पर्यावरण अनुकूल होती हैं। पर्यावरण बचाने और बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। उच्च प्रति के जैविक पौधों की खेती से या जंगल क्षेत्र में जड़ी-बूटी जैसे दोयम फॉरेस्ट प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने से बायो डायवर्सिटी (जैव विविधता) का रक्षण और देखभाल भी होती है।

जंगलों और सुनसान इलाकों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए कई प्रोजेक्ट्स में औषधीय पौधों को शामिल किया जा रहा है। उस कारण जंगलों की कटाई और अन्य विनाशकारी गतिविधियां कम हो रही हैं। फाइटरोमेडिएशन (वातावरण में फैले विषैले पदार्थों को शुद्ध करने और पर्यावरण व्यवस्थाओं में फिर से जान डालने के लिए वनस्पतियों का उपयोग) में भी कुछ औषधि वनस्पतियों का उपयोग किया जाता है। पर्यावरण संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली नीम जैसी कई औषधियां बंजर और कम उपजाऊ जमीन में पाई जाती हैं। वेटीवर ग्रास जैसी कुछ औषधियों से अरोमैटिक तेलों का उत्पादन किया जाता है।

विकासशील देशों की 80 प्रतिशत जनसंख्या परंपरागत औषधियों से जुड़ी हुई है। बहुत से औषधीय पौधों से प्राप्त दवाइयां स्वास्थ्य की सुरक्षा के काम में आती है। वर्तमान अंग्रेजी दवाइयों में 25 प्रतिशत भाग औषधीय पौधों तथा शेष कृत्रिम पदार्थ का होता है। औषधीय पौधों की जो जातियां उपयोग में लाई जाती हैं, वे पूरी तरह प्राकृतिक है। औषधीय पौधों की वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की आवश्यकता है, क्योंकि ये विभिन्न कीट व्याधियों से सुरक्षित हैं तथा इन पर प्रतिकूल मौसम का प्रभाव भी नहीं पड़ता है। औषधीय पौधों को विशेष खाद की आवश्यकता नहीं होती है और ये विभिन्न प्रकार की भूमि में अनुकूलता बनाए रखते हैं। अतः किसान इनका उत्पादन कर अपनी आर्थिक स्थिति के साथ-साथ देश की आर्थिक नींव मजबूत कर सकते हैं।

राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएएस) के एक नीति दस्तावेज ने कुछ साल पहले जंगलों में पाए जाने वाले औषधीय और सुगंधित पौधों की लूट के खिलाफ आगाह किया था। एनएएएस का मानना है कि इन जड़ी-बूटियों को जंगलों से एकत्र करने के बजाय उगाया जाना चाहिए। इनमें से कई प्रजातियों को बहुत कम लागत पर एकल, मिश्रित या दूसरी कृषि फसलों और बागवानी फसलों के साथ अंतर फसल के रूप में उगाया जा सकता है। इससे किसानों की अतिरिक्त आमदनी होगी। एक अनुमान के अनुसार, करीब पांच लाख किसान मेंथा या मेंथॉल के लिए पुदीने की खेती कर रहे हैं। इसका सालाना कारोबार 3,500 करोड़ रुपए है। भारत दुनिया में पुदीने का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। साथ ही भारत आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले एक अन्य हर्बल उत्पाद इसबगोल का भी सबसे बड़ा उत्पादक है। इसबगोल के वैश्विक बाजार में भारत की हिस्सेदारी 80 फीसदी है। इसके अलावा सनाय और पोस्तदाना की भी भारत में खेती की जाती है।

एनएएएस ने औषधीय और सुगंधित पौधों तथा उनके उत्पादों को कच्चे माल के रूप में निर्यात करने के बजाय उनका अंतिम उत्पाद बनाने पर जोर दिया है। इसके लिए उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच आपसी फायदे के लिए संपर्क व्यवस्था बनाने की जरूरत है। कुछ साल पहले एरोमा एंड फाइटो फार्मास्यूटिकल मिशन की स्थापना की गई थी, जिसका मकसद बंजर, सीमांत और बेकार पड़ी जमीन पर अहम सुगंधित और औषधीय पौधों की खेती तथा उनके उत्पादों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देना है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु और पूर्वोत्तर में जड़ी-बूटी की खेती की अच्छी संभावना है। इनमें से अधिकांश राज्य लेवेंडर, मेहंदी, नींबू घास, अश्वगंधा, सतावर और दूसरी कई जड़ी-बूटियों की खेती कर सकते हैं। औषधीय और सुगंधित प्रजाति के पौधों पर शोध और विकास में लगे कई वैज्ञानिक संस्थान भी इस पहल में भागीदारी कर सकते हैं। अगर किसान तरीके और तकनीक से औषधीय खेती पर ध्यान देंगे तो उनकी तकदीर बदल सकती है।

ममता डर गईं या कोई रणनीति है ?

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी के तेवर नरम पड़ गए हैं। वे भाजपा के खिलाफ बयान अब भी दे रही हैं लेकिन उस तरह से लड़ नहीं रही हैं, जिसके लिए वे जानी जाती हैं। उनकी राजनीति में बदलाव यह आया है कि केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय एजेंसियों, सीबीआई और ईडी के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ते लड़ते अब वे प्रधानमंत्री को क्लीन चिट देने लगी हैं। वे राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की भी तारीफ करने लगी हैं और इतना ही नहीं, जिस कारोबारी के खिलाफ देश का समूचा विपक्ष एकजुट होकर हमला कर रहा है उसे हजारों करोड़ रुपए का काम भी दे रही हैं। तभी सवाल है कि वे केंद्र सरकार की एजेंसियों से डर गई हैं या किसी खास मकसद से उन्होंने अपनी रणनीति बदली है?

यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि ममता बनर्जी ने पिछले दिनों राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के प्रति नरमी दिखाई। उन्होंने कहा कि आरएसएस में सारे लोग बुरे नहीं हैं, बल्कि बहुत से लोग अच्छे हैं, जो भाजपा की राजनीति को पसंद नहीं करते हैं। अब उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति नरमी दिखाई है। उन्होंने विधानसभा में कहा कि उनको नहीं लग रहा है कि विपक्षी नेताओं के खिलाफ सीबीआई की कार्रवाई प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर हो रही है। उन्होंने मोदी को इस विवाद से दूर करते हुए कहा कि यह काम अमित शाह का हो सकता है क्योंकि सीबीआई अब प्रधानमंत्री को नहीं, बल्कि केंद्रीय गृह मंत्री को रिपोर्ट करती है। ममता ने कहा कि भाजपा के कुछ नेता अपने स्वार्थ के लिए साजिश रच कर सीबीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह भी खबर है कि पश्चिम बंगाल सरकार ने गौतम अडानी की कंपनी अंडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड को पूर्वी मिदनापुर के ताजपुर में डीप सी पोर्ट बनाने का 25 हजार करोड़ रुपए का ठेका दिया है। पिछले दिनों हल्दिया के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर एक डॉक के मेकेनाइजेशन का 298 करोड़ रुपए का एक ठेका भी उनकी कंपनी को मिला था।

ममता की इस राजनीति से दो निष्कर्ष निकलते हैं। पहला और प्रत्यक्ष निष्कर्ष तो यह है कि ममता बनर्जी कुछ राहत हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को विवाद से अलग कर रही हैं। ममता का पूरा परिवार केंद्रीय एजेंसियों की जांच के दायरे में है। उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी से तो ईडी की पूछताछ हो रही है, अभिषेक की पत्नी और ससुराल के कई लोग केंद्रीय एजेंसियों की जांच के दायरे में हैं। पार्टी के दर्जनों नेताओं के ऊपर सीबीआई और ईडी की जांच की तलवार लटक रही है। ध्यान रहे कांग्रेस और तमाम विपक्षी पार्टियों का हमला प्रधानमंत्री मोदी पर है और उसके बाद अमित शाह निशाने पर हैं। लेकिन ममता ने मोदी को छोड़ कर शाह को निशाना बनाया है और कुछ अज्ञात भाजपा नेताओं पर निशाना साधा है।

ममता के इस बयान का एक दूसरा निष्कर्ष यह भी निकलता है कि वे रणनीति के तहत ऐसे बयान दे रही हैं। वह रणनीति व्यापक हिंदू समाज को यह मैसेज देना है कि वे नरेंद्र मोदी के खिलाफ नहीं हैं। ऐसा लग रहा है कि उनको जमीनी फीडबैक मिली है कि मोदी की लोकप्रियता कम नहीं हो रही है और मोदी पर हमला करने से बहुसंख्यक हिंदू समाज नाराज होता है। ऐसा लगता है कि इसी रणनीति के तहत उन्होंने आरएसएस के प्रति भी नरमी दिखाई थी। इसके आगे का काम विपक्षी पार्टियां खुद कर दे रही हैं। जब ममता बनर्जी ने आरएसएस के प्रति नरमी दिखाई तो कांग्रेस और लेफ्ट के नेताओं ने याद दिलाया कि ममता ने 2003 में आरएसएस के कार्यक्रम में हिस्सा लिया था और उसे देशभक्त संगठन बनाया था। उनके अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में मंत्री रहने का मुद्दा भी विपक्ष ने उठाया। कांग्रेस और लेफ्ट के इस प्रचार से ममता का मकसद पूरा हो गया। संघ के स्वंयसेवकों से लेकर हिंदुओं के एक बड़े तबके में यह बात पहुंच गई कि ममता उनकी अपनी हैं और जरूरत पड़ने पर वे संघ व भाजपा के साथ जा सकती हैं। इसी रणनीति को आगे बढ़ाते हुए ममता ने मोदी के प्रति नरमी दिखाई है। उन्होंने मोदी समर्थकों को यह मैसेज दिया है कि ममता के लिए मोदी अछूत नहीं हैं।

ममता के लिए ऐसा करना इसलिए जरूरी लग रहा है कि क्योंकि देश के मतदाता लोकसभा और विधानसभा चुनाव में अलग अलग तरीके से मतदान करना सीख गए हैं। वे दोनों चुनावों में अलग अलग पार्टियों को वोट करते हैं। बिहार, झारखंड, दिल्ली, हरियाणा, पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में यह ट्रेंड देखने को मिला है। इसलिए ममता को अंदेशा है कि विधानसभा में भले उनको छप्पर फाड़ सीटें मिली हैं लेकिन लोकसभा में तस्वीर बदल सकती है। आखिरी 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 18 सीटें जीत ली थीं, जबकि उस समय प्रदेश के मतदाताओं का उतना ध्रुवीकरण भी नहीं हुआ था, जितना अब हो गया है। अगर हालात ऐसे ही रहते हैं तो हैरानी नहीं होगी कि भाजपा पश्चिम बंगाल में फिर बहुत अच्छा प्रदर्शन करे। तभी ममता बनर्जी हिंदू मतदाताओं को साधने वाले दांव चल रही हैं। उनको पता है कि कांग्रेस और लेफ्ट का अस्तित्व काफी हद तक खत्म हो चुका है इसलिए मुस्लिम मतदाताओं के सामने तृणमूल के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ममता चाहे संघ की तारीफ करें या मोदी की, मुस्लिम उन्हीं को वोट देंगे। इसलिए वे बहुसंख्यक हिंदू वोट की चिंता में हैं। आने वाले दिनों में वे बंगाली अस्मिता का दांव भी चलेंगी और पहले बांग्ला प्रधानमंत्री की उम्मीद भी जगाएंगी।

इस तरह वे एक तीर से दो शिकार करने का प्रयास कर रही हैं। वे अपनी पार्टी के नेताओं और परिवार के सदस्यों को केंद्रीय एजेंसियों से बचाने की कोशिश कर रही हैं तो दूसरी ओर बहुसंख्यक हिंदुओं को मैसेज दे रही हैं कि वे हिंदू विरोधी नहीं हैं। यह काम अपनी तरह से उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती ने भी किया है। केंद्रीय एजेंसियों की चिंता में उन्होंने भी लड़ने-भिड़ने वाले तेवर छोड़ कर भाजपा के अनुकूल राजनीति की। उत्तर प्रदेश में वे भाजपा के बहुत काम आईं। उन्होंने समाजवादी पार्टी या कांग्रेस से तालमेल नहीं किया और प्रदेश की सभी सीटों पर इस तरह से उम्मीदवार उतारे, जिससे भाजपा विरोधी वोट बंट गए। इसका बड़ा फायदा भाजपा को हुआ।

हालांकि उनकी रणनीति ममता बनर्जी की तरह नहीं है क्योंकि मायावती ने अपना नुकसान करके भाजपा को फायदा पहुंचाया है, जबकि ममता अपने फायदे के लिए यह दांव चल रही हैं। कई बरस तक अरविंद केजरीवाल ने इस तरह की राजनीति की थी। वे नरेंद्र मोदी पर निशाना नहीं साधते थे। उनको पता था कि हिंदुओं का बड़ा तबका सबके बावजूद मोदी का प्रशंसक है। उसे ध्यान में रख कर केजरीवाल ने 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव तक राजनीति की और उसके बाद मोदी विरोध का तेवर अख्तियार किया। बहरहाल, चाहे ममता हों, मायावती हों या केजरीवाल हों, जब चुनाव जीतना नेताओं का एकमात्र मकसद बन जाता है तो वैचारिक प्रतिबद्धता की उम्मीद नहीं जा सकती है। दुर्भाग्य यह है कि इतने समझौते के बावजूद भी चुनाव जीतने की गारंटी नहीं होती है।

-अजीत द्विवेदी-

जीतने वाले कभी हार नहीं मानते

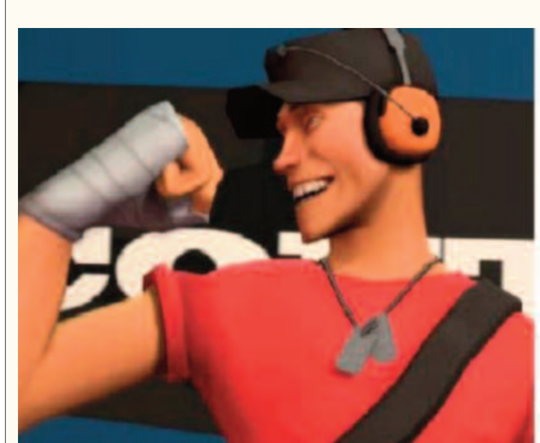

हेमेन्द्र क्षीरसागर
बालाघाट, मध्यप्रदेश

लक्ष्य के बिना मनुष्य का जीवन दिशाहीन और व्यर्थ है। जिस तरह बिना गोली के बंदूक बेकार होती है। उसी प्रकार जिन लोगों की जिंदगी में कोई लक्ष्य नहीं होता वो जीता तो है लेकिन भटकता रहता है और किसी काम का नहीं होता। लक्ष्य को तय करने की राह आसान नहीं होती, इसमें इंसान कई बार गिरता है। उसे असफलता का सामना भी करना पड़ता है। कई बार ऐसी स्थिति आती है जब मनुष्य को हार भी झेलनी पड़ती है लेकिन चाणक्य ने कहा है कि किस परिस्थिति में ऐसे मनुष्य हार के भी बाजी जीत जाते हैं। प्रयास करने के बाद भी असफल हुए तो ऐसे में आप उस व्यक्ति से ज्यादा बेहतर होंगे जिसको बिना कोशिश के सफलता मिली हो।

बेहतर, चाणक्य ने कहा जो व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर कोशिशें करता है लेकिन फिर भी हार जाता है, ऐसे व्यक्ति जीतने वाले से सर्वश्रेष्ठ माने जाते हैं। जो बिना प्रयास के शॉर्टकट से जीत हासिल करता है। उससे कई बेहतर है, वो इंसान है जिसने अपनी मंजिल को पाने के लिए जी तोड़ मेहनत की और अंत तक हिम्मत न हारी। बिना कोशिश के कई लोगों कामयाबी प्राप्त कर लेते हैं लेकिन उन्हें बाद में इसका हरजाना भुगतना पड़ता है, क्योंकि ऐसी जीत खोखली होती है। वहीं जो कदम कदम पर हर चीज को बारीकी से खीखता है। लक्ष्य प्राप्ति के लिए हर पड़ाव को पार कर मुकाम तक पहुंचने का प्रयास करता है, उसकी ईमानदारी के साथ की गई मेहनत बहुत काम आती है। ऐसे व्यक्ति हर जगह वाह-वाही प्राप्त करते हैं। जो गिरकर भी हार नहीं मानते, लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरे तन-मन से कोशिश करते हैं। ऐसे व्यक्ति अगर असफल हो भी जाए तो हारी हुई बाजी जीत जाता है, क्योंकि मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती। वर्तमान में नहीं तो भविष्य में उसे मेहनत का फल जरूर मिलेगा।

क्रमशः महात्मा गांधी ने भी कहा है कुछ न करने से बेहतर है कुछ करना। सच्ची सफलता बिना संघर्ष के नहीं मिलती। मुकाम तक पहुंचने के लिए कई मुश्किलों को पार करना पड़ता है। एक आदमी अपने विचारों का उत्पाद है, वह क्या सोचता है, वह बन जाता है। महात्मा गांधी के जीवन से हमें यही सीख मिलती है कि यदि हमें बार-बार असफलता का सामना करना पड़े तब भी आशा नहीं छोड़नी चाहिए। हो सकता है कि इस असफता के बाद ही सफलता मिले।

यथेष्ठ, स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि हर मनुष्य के जीवन में लक्ष्य का होना बहुत जरूरी है। जीवन में एक ही लक्ष्य बनाओ और दिन-रात उसी लक्ष्य के बारे में सोचो। स्वप्न में भी तुम्हें वही लक्ष्य दिखाई देना चाहिए। फिर जुट जाओ, उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए। धुन सवार हो जानी चाहिए आपको। सफलता अवश्य आपके कदम चूमेगी। असल में जब आप कोई कर्म करते हैं तो जरूरी नहीं कि आपको सफलता मिल ही जाए, लेकिन आपको असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए। अगर बार-बार भी असफलता हाथ आती है तो भी आपको निराश नहीं होना है। इस बारे में विवेकानंद कहते हैं, एक हजार बार प्रयास करने के बाद यदि आप हार कर गिर पड़े हैं तो एक बार फिर से उठें और प्रयास करें। हमें लक्ष्य की प्राप्ति तक स्वयं पर विश्वास और आस्था रखनी चाहिए और अपनी सोच को हमेशा सकारात्मक रखना चाहिए। अगर तुम निशाना लगा रहे हो तो तुम्हारा पूरा ध्यान सिर्फ अपने लक्ष्य पर होना चाहिए।

अलबत्ता, किसी काम में असफल हो भी गए हो तो क्या हुआ ये अंत तो नहीं है ना, फिर से कोशिश करो क्योंकि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। असफलता तो सफलता की एक शुरुआत है, इससे घबराना नहीं चाहिए बल्कि पूरे जोश के साथ फिर से प्रयास करना चाहिए। इसलिए असफलता सफलता से कहीं ज्यादा महत्व रखती है। असफलता ही इंसान को सफलता का मार्ग दिखाती है। मूलमंत्र जो परिस्थितियों के लिए सदा तैयार रहता है वो जीवन में सफलता का हकदार रहता है। किसी महापुरुष ने बखूबी कहा है कि, जीतने वाले कभी हार नहीं मानते और हार मानने वाले कभी जीत नहीं सकते।

भारत की समरकंद में गुट-सापेक्ष्यता

समरकंद में हुई शांघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में यदि चीन के नेता शी चिन फिंग और पाकिस्तान के नेता शाहबाज शरीफ से हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत वार्ता हो जाती तो उसे बड़ी सफलता माना जाता लेकिन उजबेक, ईरान, रूस और तुर्कीए के नेताओं से हुई उनकी मुलाकातें काफी महत्वपूर्ण रहीं। अब भारत इस वर्ष इस संगठन की अध्यक्षता भी करेगा। अध्यक्ष के नाते अब उसे अन्य सदस्य राष्ट्रों के साथ-साथ चीन और पाकिस्तान से भी सीधी बात करनी होगी।

इस संगठन का मुख्य उद्देश्य आतंकवादी घटनाओं को रोकना है। इसके लगभग सभी देश आतंकवाद से त्रस्त हैं लेकिन सच्चाई तो यह है कि इस संगठन ने आतंकवाद के विरुद्ध प्रस्ताव तो बहुत पारित किए हैं लेकिन आज तक ठोस कदम कोई नहीं उठाया है। इसके बावजूद इस संगठन के शिखर सम्मेलनों का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसके जरिए इसके सदस्य-राष्ट्रों के द्विपक्षीय संबंध मजबूत बनते हैं।

उदाहरण के लिए तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तय्यब एर्दोअन के साथ हुई मोदी की भेंट का विशेष महत्व है, क्योंकि उन्होंने कश्मीर के सवाल पर भारत के विरुद्ध संयुक्तराष्ट्र संघ और पाकिस्तानी संसद में बड़े कटु शब्दों का प्रयोग किया था। इस भेंट में दोनों देशों के बीच व्यापार आदि बढ़ाने पर बात हुई। इसी प्रकार रूसी नेता व्लादिमीर पूतिन से हुई भेंट में भारत-रूस संबंधों की बढ़ती हुई घनिष्टता पर जमकर विचार हुआ। पूतिन ने मोदी को जन्मदिन की अग्रिम बधाई दी। मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध को बंद करने की वकालत की। इसी तरह मोदी ईरान के

राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी से भी पहली बार मिले। दो

नों ने चाहबहार के बंदरगाह की प्रगति के बारे में बात की। दोनों के बीच अफगानिस्तान में शांति-स्थापना के बारे में भी बात हुई। दोनों नेताओं ने मध्य और दक्षिण एशिया के राष्ट्रों के बीच आवागमन और परिवहन को सरल और सुलभ बनाने पर भी बात की। मोदी ने अपने भाषण में इस सम्मेलन में आए नेताओं को भारत की आर्थिक उपलब्धियों से अवगत करवाया और संकट में फंसे पड़ौसी राष्ट्रों को भारत द्वारा दी गई मदद का भी जिक्र किया।

लेकिन आश्चर्य है कि इस संगठन ने भयंकर विनाश में फंसे पाकिस्तान की मदद का कोई संकल्प नहीं दिखाया। वह भी तब जबकि शाहबाज शरीफ ने खुले-आम अपनी दुर्दशा का वर्णन किया। चीनी नेता शी चिन फिंग ने भारत को अध्यक्ष बनने की बधाई जरुर दी लेकिन भारत ने अपने आप को चीनी रेशम महापथ की संयुक्त सराहना से अलग रखा।

यहां ध्यातव्य तथ्य यह है कि शांघाई सहयोग संगठन के प्रति अमेरिका का रूख मैत्रीपूर्ण नहीं है और रूस, चीन और ईरान जैसे राष्ट्रों से उसके संबंध काफी तनावपूर्ण हैं, इसके बावजूद भारत के प्रति अमेरिका ने कोई आपत्ति नहीं जताई है। अमेरिका-विरोधी राष्ट्रों के बीच भारत महत्वपूर्ण मध्यममार्गी राष्ट्र है।

यह भारतीय विदेश नीति की सफलता ही मानी जाएगी। यह गुट-निरपेक्षता से आगे की चीज है। इसे मैं गुट-सापेक्ष्यता कहता हूं। इसे नान-एलाइनमेंट की जगह मल्टी-एलाइनमेंट कहा जा सकता है। इसे मैंने समदूरी की बजाय सम-सामीप्य की नीति भी कहा है।

-वेद प्रताप वैदिक-

लम्हा

डिकेश दिवाकर
जांजगीर-चांपा छत्तीसगढ़

क्षण में गुजर जायेगा
धीरता का सूरज जब
अंतर्मन में समायेगा ।
चीर कर निकलेगा
घने बादलों का साम्राज्य
जग का सारा अंधकार
एक पल में मिट जायेगा ।
बिखरेंगी सुनहरी किरणें
अवनि और अम्बर में
तिनकों में गिरा ओस भी
मोती सा जगमगायेगा ।
बसंती हवाएँ गायेंगी
पतझड़ बीत जाने के बाद
कलियाँ खिलेंगी और
मधुकर फिर गुनगुनायेगा ।
अरे कब तक बैठेंगी शांत
सागर की लहरें देखेंगे
हवा के तेज झोंके से फिर
वह तटों से टकरायेगा ।
टूटके सीप से मोती
बिखर जायेंगे रेत की गोद में
आके सागर की लहरें
पुनःह्रदय से उसे लगायेगा ।
घेर रखा है घना जिन
रिश्तों को अहं का तिमिर
प्रेम की किरणें उसे
एक दिन जरूर मिटायेगा ।

जीवन का मतलब तो आना और जाना है

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा उत्तरप्रदेश

आसूँ हो या मुस्कान
सुख हो या दुःख
सुबह हो या दिन
शाम हो या रात
बसंत हो या पतझड़
गर्मी हो या सर्दी
तपती धूप हो या रिमझिम बरसात
जब कुछ भी स्थिर नहीं तो फिर
सोचना ,
चिंता , शिकवा शिकायत करना या
विचलित होना क्यों
उसपर पल भर का पता नहीं जीवन
का कब
साँसे कह दें अलविदा
हँसते खेलते या सताकर
दिल दे जाए दगा या सांस
बीमारी बन आ काल
या फिर कोई दुर्घटना
जीवन का मतलब तो आना और
जाना है
फिर कैसा और किस से गिला
जो है वो कब रहा है चाहे हो
अधरों की मुस्कान
आँखों की नमी
दुःख, दर्द, तकलीफ
रिश्ते, नाते, मौसम, समय का फेर
फिर जीवन और मरण का कोई
कैसे कहे
कब गूँजे किलकारी नव जीवन की
कब गूँजे रुदन जीवन के अंत की
जीवन का मतलब तो आना और
जाना है
फिर इस से कैसी शिकायत या
गिला......।।

बखत ये कइसन आये हे

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी छत्तीसगढ़

मनखे नहाय सवारथ के गंगा
वोखर सिवा नहीं कोनो धंधा
दुख के बादर जबर छाये हे
देखव बखत ये कइसन आये हे
सोजहा-सोजहा मन चुपे खड़े
टेडगा-टेडगा मन सब डटे पड़े
सोजहा बर टेडगा हर अटियाय हे
बखत ये कइसन आये हे
नशा करत का बुढ़हवा का सियान
ईमान धरम के नइये कोनो धियान
मउहा के नशा सबे ल बऊराय हे
देखव बखत ये कइसन आये हे
संगत के मया अउ दुलार सिरागे
का होगे सबे संस्कार हर सिरागे
मनखे अपना पुरखा ल बिसराय हे
देखव बखत ये कइसन आये हे
पुरखा के जम्मो पहिचान सिरागे
सामाजिक सबे सम्मान सिरागे
मनखे अपना पुरखा ल बिसराये हे
देखव बखत ये कइसन आये हे
सुम्मत के मोटरी ल कोन बचाही
अंधीयारी डहर रद्दा कोन देखाही
मनखे बर नवा बिहिनीया आये है
देखव बखत ये कइसन आये हे
दुख के बादर छटही संगी मिहनत ले
नवा सुरुज उतरही संगी हो हिम्मत ले
अंधीयारी डहर बर सुरुज नवा आये हे
देखव बखत ये कइसन आये हे

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

पहली बार संभागीय मुख्यालय अम्बिकापुर में डीजीपी ने अपराध संबंधी ली बैठक

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। पुलिस महानिदेशक छत्तीसगढ़ अशोक जुनेजा गुरुवार को पहली बार संभागीय मुख्यालय अंबिकापुर की पहुंचे और संभाग स्तरीय अपराध संबंधि समीक्षा बैठक ली। इस दौरान रेंज के पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक से पूर्व

आईजी सरगुजा रेंज अजय कुमार यादव द्वारा संभाग के सभी जिलों की सामान्य भौगोलिक जानकारियों से अवगत कराया गया। संभाग स्तरीय बैठक के दौरान अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, विवेकानंद सिन्हा (नक्सल अभियान), संजीव शुक्ला पुलिस महानिरीक्षक अअवि, आरएन दास समनि एसआईबी के साथ रेंज के पुलिस अधीक्षकों के साथ ही कुल 28 राजपत्रित अधिकारी उपस्थित रहें।

समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने गंभीर अपराधों जैसे हत्या, बलात्कार, अपहरण, मानव बंध, के साथ ही साथ महिला, बच्चों, साइबर, एसटी, एससी से संबंधित अपराधों तथा पीड़ित क्षतिपूर्ति एवं राहत राशि के प्रकरणों में विशेष ध्यान देने हेतु चर्चा की। महिला संबंधी अपराधों पर गंभीरता दिखाते हुए निर्धारित समयावधि में निराकृत करने के निर्देश दिए। डीजीपी ने लंबित मर्ग, गुम इंसान के प्रकरणों में समयावधि के भीतर निराकरण किये जाने एवं गुम इंसानों बालकों के बरामदगी के प्रतिशत में वृद्धि होने से प्रशंसा व्यक्त की। रेंज के सभी इकाईयों में सामुदायिक पुलिसिंग, बेसिक पुलिसिलंग को और भी बेहतर बनाने हेतु निर्देशित किया गया है। रेंज के सभी पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने स्तर से अच्छा प्रदर्शन करने हेतु सुझाव दिया गया है। नाकेबंदी, ड्रग्स, नारकोटिक्स एक्ट के तहत अधिक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया है। रोड एक्सीडेंट तथा अचानक घटित होने वाली घटना स्थल पर अलग से पुलिस टीम लगाने की बात कही गई। थाना, चौकी के फरारआरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी समय से पूर्व विवेचना पूर्ण कर चालान न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। नक्सली संबंधी गतिविधयों के मामलों में पुलिस महानिदेशक द्वारा रेंज आईजी से रूबरू होने के पश्चात जिले के पुलिस अधीक्षक से विस्तृत जानकारी हासील करते हुये हमेशा सतर्क व गंभीर रहने हेतु निर्देश दिए।

बेसिक पुलिसिंग को मजबूत करने दिए निर्देश

अभिव्यक्ति ऐप के माध्यम के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने एवं इससे संबंधित शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने एवं निरंतर पेट्रोलिंग करने तथा नशे का सेवन करके वाहन चालकों पर कड़ी कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस महानिदेशक द्वारा समस्त पुलिस अधीक्षक एवं राजपत्रित अधिकारियों को अपने थाना क्षेत्र में पुलिससिंग व्यवस्था में कसावट लाने तथा बेसिक पुलिसिंग को मजबूत करने हेतु निर्देशित किया गया।

सीसीटीएनएस का करें पालन,नहीं तो होगी कार्रवाई

पुलिस महानिदेशक द्वारा राजपत्रित अधिकारी अपने अनुभाग के थाना, चौकी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में शाम के बाद गश्त पर निकले तथा पेट्रोलिंग नियमित रूप से बैंक एटीएम चेक करें, संदिग्ध व्यक्तियों पर सतत निगरानी रखने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने सीसीटीएनएस के सभी कालम में समय पर एंट्री करने हेतु सख्त निर्देशित किया गया। जिन जिलों के थानों में एंट्री समय पर करना नहीं पाया गया उस जिले के पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी पर कार्यवाही की जायेगी।

भूपेश जनजाति हितैशी होने का रच रहे हैं ढोंग:पूर्व गृहमंत्री

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार जनजाति हितैशी होने का ढोंग रचा रही है, अगर उच्च न्यायालय के समक्ष सही पहल किया गया होता तो उक्त अधिनियम को अपास्त नहीं किया गया होता। उन्होंने कहा कि रमन सिंह के समय भाजपा की सरकार ने दिसंबर 2011 में जनजाति समाज को प्रदेश में जनसंख्या के अनुपात में 32 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था और 2018 सरकार रहते तक यह कानून लागू रहा, उच्च न्यायालय में याचिका दायर होने के बाद भाजपा सरकार द्वारा 2018 तक जनजाति समाज के हित में मजबूती के साथ खड़ा होकर उच्च न्यायालय में अपना पक्ष रखते आ रहे हैं, जिसके कारण आरक्षण यथावत रहा परंतु कांग्रेस की सरकार आने के बाद से जनजाति समाज के साथ षड्यंत्र होना प्रारंभ हो गया और जानबूझकर जनजाति वर्ग के पक्ष में ठीक से उनका पक्ष नहीं रखा गया, परिणाम स्वरुप माननीय उच्च न्यायालय में जनजाति समाज के खिलाफ ऐसा दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय सामने आया है। उक्त बातें गुरुवार को अंबिकापुर भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा ने कही उन्होंने कहा कि। इस दौरान पूर्व सांसद कमलभान सिंह ने कहा कि पहले भी कांग्रेस की सरकार ने अनुसूचित जनजाति वर्ग को छलने का काम किया है , छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद पदोन्नति में आरक्षण के नया नियम बनाने के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने 3 साल लगाए, उच्च न्यायालय में इस पदोन्नति नियम 2003 को भाजपा सरकार ने अपने पूरे 15 साल के कार्यकाल तक कानूनी चुनौती से बचा कर रखा, परंतु कांग्रेस की सरकार आते ही मूल कंडिका 5 फरवरी 2019 को पास हो गई, तब से लेकर अब तक पदोन्नति में आरक्षण का कोई रास्ता भूपेश बघेल की सरकार ने नहीं निकाला है, भूपेश बघेल के सरकार बनने के बाद से पदोन्नति में आरक्षण का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस दौरान अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष राम लखन सिंह पैकरा ने भी संबोधित किया। प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, पूर्व विधायक सिद्धनाथ पैकरा, वरिष्ठ भाजपा नेता त्रिलोक कपूर कुशवाहा, जिला महामंत्री देवनाथ सिंह पैकरा, जिला संवाद प्रमुख संतोष दास, जिला सह संवाद प्रमुख रूपेश दुबे, बिहारी तिर्की, धनाराम नागेश, अंकित तिर्की, निशीकांत भगत पुरन टेकाम सहित अन्य लोग शामिल रहे।

अस्पताल के सफाई कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। तेजस्वी नारी शक्ति सामाजिक संगठन द्वारा गुरुवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। जिन्होंने कोरोना महामारी के दौरान लोगों का बेफिक्र होकर सेवा किया था। सामाजिक संगठन ने सभी कर्मचारियों को सम्मानित कर उनके मनोबल को बढ़ाया। इस दौरान तेजस्वी नारी शक्ति समाजिक संगठन के कार्यकर्ता ज्योति चौरसिया, सुनिता, सर्वेश्वरी, पुनम, प्रर्मिला, शशि शामिल रहे।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया एडवांस एक्सरे मशीन का शुभारंभ

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री टीएस सिंहदेव ने गुरुवार को राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सम्बद्ध अस्पताल में अत्याधुनिक एडवांस एक्सरे मशीन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मशीन की कार्य क्षमता और अन्य प्रणालियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इस मशीन के शुरू होने से अस्पताल में मरीजों को अधिक सुविधा मिलने की बात कही।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्थापित एडवांस एक्सरे मशीन जर्मनी से करीब 87 लाख रुपये की लागत से मंगाया गया है। इस मोबाइल मशीन में करीब 270 रोटेशन की सुविधा होने से अब मरीज के बेड के पास आसानी से

रखकर उपयोग किया जा सकता है। मरीजो को अब एक्सरे के लिए अलग से एक्सरे कक्ष में जाने की जरूरत नही पड़ेगी ।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव सहित अन्य जनप्रतिनिधि,मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ आर. मूर्ति, चिकित्सा अधीक्षक डॉ लखन सिंह एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

साइकिल रैली का आयोजन आज

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री टीएस सिंहदेव की अध्यक्षता में 23 सितम्बर 2022 को प्रातः 9 बजे से 11 बजे तक साइकिल रैली कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। रैली में आयुष्मान भारत योजना अन्तर्गत डॉ खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना प्रचार-प्रसार हेतु किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पीएस सिसोदिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार साइकिल रैली मणीपुर स्कूल दर्रीपारा अम्बिकापुर से प्रारंभ होकर अग्रसेन चौक, जयस्तंभ चौक, सदर रोड, महामाया चौक, स्कूल रोड होते हुए मल्टी परपज स्कूल प्रांगण में सम्पन्न होगा। रैली पश्चात शासकीय बहुउद्देश्यीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अतिथि, जनप्रतिनिधि-अधिकारी, छात्र एवं आम नागरिक शामिल होंगे। रैली का आयोजन कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में किया जाएगा। साइकिल रैली में शामिल होने के लिए अधिकारी-कर्मचारी, छात्र एवं आम जनता से आग्रह किया गया है। रैली में शामिल होने के लिए स्वयं की साइकिल लेकर आना होगा।

डांडिया सजाओ ओर रंगोली बनाओ प्रतियोगिता में महिलाओं ने लिया भाग

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। अग्रसेन जयंती 2022 के उपलक्ष्य में अग्रसेन भवन में गिलास गिराओ प्रतियोगिता, शतरंज प्रतियोगिता, स्पेलिंग प्रतियोगिता, अंताक्षरी युगल का आयोजन किया गया। दोपहर को अग्रवाल महिला सभा द्वारा डांडिया सजाओ ओर रंगोली बनाओ अग्रवंश वृक्ष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें अग्रवाल समाज महिलाओं ओर बालिकाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम अग्रवाल सभा के अध्यक्ष अजय अग्रवाल, युवा मंच के अध्यक्ष ऋषभ गर्ग, अरविंद सिघनिया , राजीव अग्रवाल, किशन सल्तनिया, जगदीश अग्रवाल , अशोक अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल , विकास अग्रवाल, संजय गोयल, लेखराज अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, कन्हैया लाल अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, पवन लोहिया, संजय गणित, श्रीनिवास केडिया, अशोक अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, घनश्याम गर्ग, अमित अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, किसन अग्रवाल, आशीर्वाद कौशल सिंघल, लक्ष्मी अग्रवाल, संगीता रितु केडिया, कोमल सुल्तनिया, ऋषभ गर्ग, आशीष अग्रवाल, राहुल गर्ग, संजय जलान, मुकेश सिंघल, तनिष्क अग्रवाल, हिमांशु, यश व राहुल गर्ग उपस्थित रहे।

राहगीरों को सतर्क करने पेंट रोड में लगाया गया संकेतक

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। मैनपाट विकासखण्ड मुख्यालय नर्मदापुर से तराई क्षेत्र को जोड़ने वाली पेंट सड़क लगातार बारिश से बह जाने के कारण राहगीरों को सतर्क करने के लिए प्रशासन के द्वारा सड़क में संकेतक लगाया गया है।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देश पर गुरुवार को एसडीएम सीतापुर श्री अनमोल टोप्पो एवं तहसीलदार के द्वारा मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया। बारिश के कारण सड़क बह जाने से आवागमन खतरनाक हो गया है। राहगीरों को सतर्क करने के लिए खतरा होने के का संकेतक लगाया गया है। सड़क में लाल कपडा बांधकर पेड़ां से अवरोधक भी बनाया गया है। लोगों को इस रास्ते से आना जाना नहीं करने की समझाईश दी जा रही है।

आम आदमी पार्टी की बैठक में ग्राम संपर्क अभियान पर दिया गया जोर

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। आम आदमी पार्टी की जिला सरगुजा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की बैठक आहूत की गई। बैठक में मुख्य अतिथि नॉर्थ जोन प्रभारी जीतेंद्र फुलारा की उपस्थिति में किया गया। प्रतापपुर रोड स्थित स्थानीय आस्था मैरिज हाल में गुरुवार को संपन्न हुआ। नॉर्थ जोन प्रभारी जीतेंद्र फुलारा ने संगठन के विस्तार करने हेतु सभी कार्यकर्ता पदाधिकारियों को प्रमुखता से ग्राम संपर्क अभियान को तेज करते हुए संगठन द्वारा ग्राम पंचायत वार बुकलेट भरने का काम पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। पार्टी के आर्थिक सहयोग के विषय पर कार्यकर्ता व पदाधिकारी को नगद लेने से मना किया गया एवं चेक व अन्य द्वारा सहयोग राशि लेने को कहा गया और जिले के पदाधिकारी जैसे निर्देश करेंगे वैसे करने के लिए भी बोला गया है। बैठक में उपस्थित प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद मिरीएवं प्रदेश सह संगठन मंत्री एवं जिला प्रभारी डीपी यादव एवं जिला अध्यक्ष कुंज बिहारी सिंह पैकरा, सूरज सेठी, साकेत, राजेंद्र बहादुर सिंह, राजीव लकड़ा, प्रकाश गुप्ता, सीताराम मानिकपुरी, पवन मित्तल, रविंद्र कुमार सिन्हा, डॉ पुष्पेंद्र, नूर हसन अली, आफताब सिद्धीकी, दिल भरोस आदित्य पांडे, हिरमेन, सुरेश कुमार मींस दिलभरोश, आदित्य पांडेय, कुलमेत भैरव दास गोपाल यादव, गुलाब मरकाम, अब्दुल कादिर, आलोक सिंह उपस्थित थे।

नवजात बच्चे को दूसरे रक्त समूह का रक्त चढ़ाना उसके जान के साथ खिलवाड़'

- संवाददाता-

अम्बिकापुर 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार हो रही लापरवाही में सुधार के संबंध में भारतीय जनता युवा मोर्चा ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि मेडिकल कॉलेज अस्पताल एवं जिले के अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों में लगातार गड़बड़ी एवं लापरवाही की शिकायतें मिल रही है। जिसमें तत्काल सुधार एवं कार्रवाई की आवश्यकता है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल अम्बिकापुर में नवजात बच्चें को दूसरे रक्त समूह का रक्त चढ़ाना

उसके जान से खिलवाड़ करना है। उपरोक्त प्रकरण के दोषियों पर तत्काल कड़ी कार्रवाई करना न्यायसंगत होगा। सीटी स्केन मशीन, सोनोग्राफी मशीन, एक्स-रे मशीन लगातार खराब रहने तथा ठीक रहने पर भी जांच में तथा रिपोर्ट में बिलम्ब होना, समय पर ड्युटी डॉक्टरों नहीं पहुचनें, स्वास्थ्य केन्द्र लखनपुर में एक लाचार पिता द्वारा अपने पुत्री के शव को कंधे पर ले जाने की अमानवीय घटना हुई थी, किन्तु आज तक सभी विकासखण्डों में शव वाहन की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हुई है। वहीं मेडिकल कॉलेज अस्पताल अम्बिकापुर में स्ट्रेचर की कमी अन्य व्यवस्थागत संसाधनों की लगातार कमी बनी रहती है, जिसमें तत्काल सुधार की आवश्यकता है। सहित अन्य गंभीर समस्याओं को लेकर भाजयुमो सरगुजा ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई कर व्यवस्था सुधरवाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान भाजपा अंबिकापुर नगर मंडल अध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला, महामंत्री प्रेमानंद तिग्गा, भाजयुमो जिला महामंत्री संजीव वर्मा, जिला उपाध्यक्ष रोचक गुप्ता, जिला मंत्री वीर सोनी, हर्ष जयसवाल नगर मंडल अध्यक्ष निशांत सिंह, महामंत्री दीपक यादव शामिल रहे।

उदयपुर में 11 हाथियों का दल फसलों को पहुंचा रहा नुकसान

- संवाददाता-

उदयपुर 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। मंगलवार की रात को सायर जंगल से नीचे की बस्ती मुड़ापारा में उदराज पिता भानुप्रसाद मांझी के घर को तोड़ा है तथा लगभग आधा दर्जन किसानों के फसलों को रौंद डाला है।

11 हाथियों का दल विगत 5 दिनों से वन परीक्षेत्र उदयपुर के जंगलों में विचरण कर रहा है प्रेमनगर की ओर से आए इन 11 हाथियों के दलों ने अभी तक कुल एक घर को नुकसान पहुंचाया है। मुड़ापारा में किसानों की कुछ धान एवम् मक्का की फसल को नुकसान पहुंचाया है।

वन अमला लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने का कार्य लगातार कर रहा है।डीएफओ पंकज कमल के नेतृत्व में टीम गठित कर एसडीओ बिजेंद्र सिंह रेंजर सपना मुखर्जी तथा वन रक्षकों की अलग अलग पालियों में ड्यूटी लगा कर हाथियों की निगरानी लगातार की जा रही है गांव में मुनादी भी कराई जा रही है फसल नुकसान का जायजा लगातार लिया जा रहा है तथा मुआवजा के प्रकरण भी बनाए जा रहे हैं ग्रामीणों को हाथियों से दूर रहने की सलाह गजराज वाहन के माध्यम से लगातार की जा रही है। मुड़ापारा के लगभग 50 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित

पक्के के मकान में की रात को रखा गया था 1 दर्जन से अधिक वन विभाग के कर्मचारी व हाथी मित्र दल के लोग ग्रामीणों एवं हाथियों की देखरेख में लगे हुए हैं । कक्ष 2043 में हाथियों का दल अभी भी डेरा जमाए हुए है।सुखरी भंडार, बिछलघाटी, मुड़ापारा में हाथी का दल विचरण करते रहता है सावधानी बतौर वन अमला द्वारा बीच-बीच में उदयपुर से केदमा मार्ग को बंद भी किया जाता है।

CMYK

बाजार में दूसरे दिन गिरावट,अमेरिका में ब्याज दर बढ़ने से सेंसेक्स 337 अंक और टूटा

मुंबई, 22 सितम्बर 2022। घरेलू शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 337 अंक से अधिक टूटकर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में 0.75 प्रतिशत की वृद्धि तथा वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच बाजार नीचे आया। कारोबारियों के अनुसार, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में 90 पैसे की गिरावट के साथ इसके 80.96 पर पहुंचने से भी कारोबारी धारणा प्रभावित हुई। फेडरल रिजर्व के आक्रामक रुख तथा अन्य केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर बढ़ाये जाने की संभावना के बीच उभरते बाजारों में बिकवाली तेज रही।

इससे शेयर बाजार, मुद्रा बाजार तथा निवेश के अन्य उत्पादों पर भी असर पड़ा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 337.06 अंक यानी 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,119.72 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 624 अंक तक नीचे चला गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 88.55 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,629.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में पावरग्रिड सबसे ज्यादा 2.80 प्रतिशत नीचे आया।

इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी लि. बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट भी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, मारुति, आईटीसी और डॉ. रेड्डीज शामिल हैं। इनमें 2.73 प्रतिशत तक की तेजी रही।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''फेडरल रिजर्व उम्मीद के विपरीत अधिक आक्रामक हुआ है और उसने नीतिगत दर साल के अंत तक बढ़कर 4.4 प्रतिशत करने का संकेत दिया है। इससे मौद्रिक नीति को लेकर इस साल होने वाली अगली दो बैठकों में ब्याज दर में 1.25 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। इसके साथ अमेरिकी-डॉलर सूचकांक 111 से ऊपर चला गया। डॉलर के मुकाबले रुपया 80 से ऊपर पहुंच गया है।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय शेयर बाजार सीमित गिरावट के साथ अपनी मजबूती को बनाये रखने में कामयाब रहा। लेकिन अगर रुपये में गिरावट जारी रही, बाजार विदेशी निवेशकों के लिये अल्पकाल में कम आकर्षक होगा। उसका असर बाजार पर पड़ेगा।''

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर मंदी की आशंका से आईटी, धातु तथा औषधि जैसे वैश्विक स्तर पर जुड़े शेयरों पर कुछ समय के लिए दबाव रह सकता है।''

उन्होंने कहा, ''...दूसरी तरफ मजबूत घरेलू मांग के साथ जिंसों के दाम में गिरावट के साथ दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी), पेंट, टायर और वाहन जैसे क्षेत्रों को लाभ हो सकता है।'' एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। यूरोपीय शेयर बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख था।

अमेरिकी बाजार में बुधवार को गिरावट रही। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.55 प्रतिशत बढ़कर 90.32 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने दो दिन की लिवाली के बाद बुधवार को शुद्ध रूप से 461.04 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

भारत ने कुछ प्लास्टिक के आयात में अचानक आई तेजी के बाद रक्षोपाय जांच शुरू की

नयी दिल्ली, 22 सितम्बर 2022। भारत ने घरेलू उद्योगों की शिकायत के बाद कुछ विशेष किस्म के प्लास्टिक के आयात में अचानक वृद्धि की रक्षोपाय (सेफगार्ड) जांच शुरू की है। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने 'दो पीपीएम से अधिक अवशिष्ट वीसीएम के साथ पीवीसी सस्पेंशन रेजिन' के आयात की जांच शुरू की है। इसका इस्तेमाल विभिन्न उद्योगों जैसे पाइप, पैकेजिंग, वायरिंग और इंसुलेशन तथा चिकित्सा उत्पादों में किया जाता है।

डीजीटीआर की एक अधिसूचना के अनुसार, केम्प्लास्ट कुड्डालोर विनाइल्स और डीसीडब्ल्यू लिमिटेड ने जांच शुरू करने के लिए आवेदन दायर किया है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि भारत में आयात की मात्रा में अचानक तेज वृद्धि हुई है, जिससे घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति होने लगी है। इससे आगे और अधिक क्षति का खतरा पैदा हो रहा है। इन कंपनियों ने आयात पर मात्रात्मक प्रतिबंध के रूप में रक्षोपाय उपायों को लागू करने का अनुरोध किया है।

अधिसूचना में कहा गया, ''याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर विधिवत प्रमाणित आवेदनों के आधार पर और घरेलू उद्योग द्वारा पेश किए गए सबूतों के आधार पर पहली नजर में अधिकारियों को लगता है कि रक्षोपाय जांच शुरू करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं।

सोनी इंडिया ने समाचार एजेंसी 'पीटीआई' के साथ साझेदारी की घोषणा की

नयी दिल्ली, 22 सितम्बर 2022। सोनी इंडिया ने देश की सबसे बड़ी स्वतंत्र समाचार एजेंसी 'प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पीटीआई)' को विशिष्ट 'डिजिटल इमेजिंग समाधान' उपलब्ध करवाने के लिए उसके साथ नई साझेदारी की घोषणा की है। एक संयुक्त बयान में बताया गया है कि सोनी इंडिया 'पीटीआई' के समाचार फोटोग्राफरों और वीडियो पत्रकारों के लिए 'डिजिटल इमेजिंग समाधान' की विशेष आपूर्तिकर्ता होगी। इसमें बताया गया है कि समाचार एजेंसी के फोटो और वीडियो पत्रकारों कोसोनी इंडिया उत्पाद सेवा समर्थन और प्रशिक्षण भी देगी।

सोनी इंडिया के प्रबंध निदेशक सुनील नय्यर ने इस बारे में कहा, ''पीटीआई देश में खबरों का बहुत ही विश्वसनीय स्रोत है और दुनियाभर में खबरों के लिए सर्वश्रेष्ठ तस्वीरें और वीडियो देने वाली समाचार एजेंसी को समर्थन देना, उनके साथ जुड़ना हमारे लिए गर्व की बात है।'' 'पीटीआई' के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय जोशी ने कहा, ''पीटीआई में, हमारा मानना है कि अच्छी पत्रकारिता देने के लिहाज से प्रौद्योगिकी, बुनियादी स्तंभों में से एक है। हम जानते हैं कि कैमरे की बात आती है तो सोनी नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियां तैयार करने में हमेशा आगे रहा है। सोनी के साथ साझेदारी तो होनी ही थी विशेषकर तब, जब हम वीडियो पत्रकारिता में शुरुआत कर रहे हैं।'' पीटीआई प्रतिदिन 2,000 से अधिक खबरें और 200 से ज्यादा तस्वीरें जारी करती है और 500 से अधिक भारतीय समाचार-पत्र इस एजेंसी से जुड़े हैं।

अब इस एजेंसी के पत्रकार सोनी के आधुनिक इमेजिंग समाधानों की मदद से देशभर के प्रमुख घटनाक्रमों को कैद करेंगे। बयान में कहा गया, ''इस पर अमल शुरू होने के बाद पीटीआई के सभी पत्रकार सोनी के आधुनिक कैमरों और लैंस से लैस होंगे। इस तरह समाचार एजेंसी के सभी पत्रकारों को माध्यम की चिंता किए बिना सुगमता से आदान-प्रदान करने और खबरों को लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतरेगी ओला इलेक्ट्रिक,नेपाल के बाजार से होगी शुरुआत

नयी दिल्ली, 22 सितम्बर 2022। ओला इलेक्ट्रिक ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उतरने की घोषणा की है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को कहा कि इसकी शुरुआत नेपाल से की जाएगी। कंपनी ने कहा कि उसने नेपाल में सीजी मोटर्स के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और उसे अपने ओला एस1 स्कूटर्स (एस1 और एस1 प्रो) के स्थानीय वितरण का साझेदार बनाया है। ओला इलेक्ट्रिक ने बयान में कहा कि ये स्कूटर अगली तिमाही से नेपाल में मिलने लगेंगे। वहीं दूसरे चरण में कंपनी लातिनी अमेरिका, आसियान तथा यूरोपीय संघ में प्रवेश करेगी और इस तरह पांच अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मौजूदगी दर्ज करेगी।

ओला के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी भाविश अग्रवाल ने कहा, ''हमारे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार का केवल यह मतलब नहीं है कि एक कंपनी के तौर पर हम इन क्षेत्रों में ग्राहकों को सेवाएं दे सकेंगे, बल्कि यह इस बात का घोतक भी है कि दुनिया में इलेक्ट्रिक वाहन की क्रांति की अगुवाई भारत करेगा।

बैंकों के फंसे कर्ज में बड़ी कमी आने की उम्मीद, लेकिन छोटे उद्योगों के मामले में चिंता

मुंबई, 22 सितम्बर 2022। बैंकों में सकल गैर-निष्पादित आस्तियां यानी फंसा कर्ज चालू वित्त वर्ष में 0.90 प्रतिशत घटकर पांच प्रतिशत पर आ जाने का अनुमान है। इसका कारण बड़ी कंपनियों को दिये गये कर्ज के मामलों में सुधार है। क्रिसिल रेटिंग्स ने बुधवार को रिपोर्ट में यह कहा। इतना ही नहीं वित्त वर्ष 2023-24 में इसमें और कमी आएगी और इसके एक दशक के निचले स्तर चार प्रतिशत पर आने का अनुमान है। क्रिसिल रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि फंसे कर्ज को लेकर सभी चीजें अच्छी नहीं है।

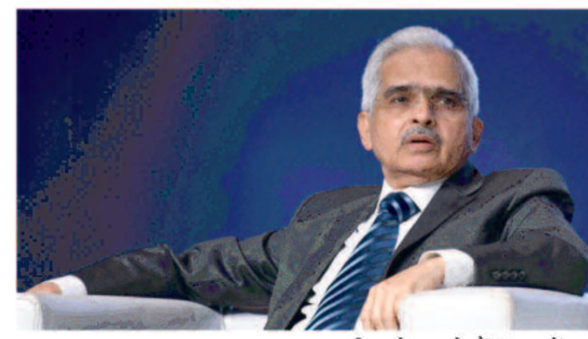

बैंकों के सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) को दिये गये कर्ज को लेकर चिंता है। एमएसएमई कोविड-19 से प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। इस क्षेत्र में सकल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) मार्च, 2024 तक बढ़कर 10-11 प्रतिशत हो सकता है जो 31 मार्च, 2022 को 9.3 प्रतिशत था। रिपोर्ट के अनुसार, ''पिछले वित्त वर्ष में राहत उपायों से संपत्ति की गुणवत्ता के मामले में स्थिति कुछ ठीक रही।

हालांकि, इस क्षेत्र में सर्वाधिक छह प्रतिशत कर्ज पुनर्गठन हुआ है जबकि कुल मिलाकर बैंकों में यह दो प्रतिशत रहा। इसमें से करीब एक-चौथाई खाते फंसे कर्ज में तब्दील हो सकते हैं।'' इसमें कहा गया है कि एमएसएमई के उलट बड़ी कंपनियों का कर्ज के मामले में प्रदर्शन अच्छा है। एजेंसी ने कहा कि बड़ी कंपनियों के मामले में सकल एनपीए में अच्छा सुधार होने की उम्मीद है। इनके मामले में फंसा कर्ज अगले वित्त वर्ष में घटकर दो प्रतिशत से नीचे आने का अनुमान है जो 31 मार्च, 2018 को 16 प्रतिशत था।

सबकॉन्शियस माइंड को मजबूत बनाए रखने के लिए अपनाएं ये पांच तरीके

सबकॉन्शियस माइंड यानी अवचेतन मन एक तरह की मार्गदर्शन प्रणाली है, जो हमारे पिछले अनुभव, विश्वास, याद और कौशल को इकट्ठा करता है। इससे मतलब है कि जो कुछ आपने देखा, किया या सोचा वह सब आपके सबकॉन्शियस माइंड में स्टोर हो जाता है। अगर आप जीवन में सफलता और आनंद पाना चाहते हैं तो इसके लिए आपके सबकॉन्शियस माइंड का मजबूत होना जरूरी है। आइए सबकॉन्शियस माइंड को मजबूत बनाए रखने में मदद करने वाले पांच तरीके जानते हैं।

अच्छी चीजों की सराहना करें और अपनी संतुष्टी जताएं

जीवन में आपके पास जो कुछ भी है, उसके लिए धन्यवाद करें और अच्छी चीजों की सराहना करें। हमेशा कुछ चाहने या चीजों को बदलने का प्रयास करने की बजाय अपने पास उपलब्ध चीजों के लिए खुश रहें। इसके लिए आप एक पत्रिका में अपना आभार व्यक्त करें और अपने सबकॉन्शियस माइंड को यह विश्वास दिलाना शुरू करें कि आपको अधिक की आवश्यकता नहीं है और आपके पास जो कुछ भी है वह अभी के लिए पर्याप्त है।

हमेशा खुद को सकारात्मक रखने का प्रयास करें

हर दिन खुद को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करें, क्योंकि कुछ छोटी-छोटी बातें आपके जीवन में सकारात्मकता और खुशियां लाने में मदद कर सकती हैं। नकारात्मक सोच या विचारों से बचें और अपने आप को सकारात्मक रखने की भरपूर कोशिश करें। इसके अलावा अपने लक्ष्यों, खुशी और सकारात्मक चीजों को लेकर अपनों से बातचीत करते रहें। इसी तरह सकारात्मक रहने वाले लोगों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने का प्रयास करें।

विज़ुअलाइज़ेशन का अभ्यास करें

कान और नाक जैसी अपनी कुछ इंद्रियों का इस्तेमाल करके विज़ुअलाइज़ेशन का अभ्यास करें। जीवन दृष्टि पर स्पष्टता प्राप्त करने के लिए धीरे-धीरे चीजों की बनावट, रंग, स्पर्श और स्वाद को समझें और फिर तय करें कि आप अपने जीवन में क्या चाहते हैं। इसी तरह यह भी समझें कि आप अपनी जिंदगी कैसे जीना चाहते हैं और इसकी एक स्पष्ट छवि की कल्पना करें। यह तरीका आपको सटीक फैसला लेने में मदद कर सकता है।

खुद पर उंगली न उठाएं

आपके आस-पास के कुछ लोग आपकी क्षमताओं पर संदेह कर आपको खुद पर उंगली उठाने पर मजबूर कर सकते हैं, लेकिन आपको इन सब से बचना चाहिए। नकारात्मकता से बचने के लिए आपको अपने स्वयं के निर्णयों पर ध्यान देना होगा। जब आप किसी काम से डरते हैं या असहज महसूस करते हैं तो अपने आप से सवाल करें कि आप ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं। इसके बाद शांत होकर अपने काम को फिर से करने की कोशिश करें।

नियमित रूप से मेडिटेशन करें

सबकॉन्शियस माइंड मजबूत करने के लिए एक्सरसाइज के रूप में मेडिटेशन करना भी अच्छा उपाय है। रोजाना मेडिटेशन करने से मस्तिष्क के तंत्रिका मार्ग बदल जाते हैं, जो नकारात्मक कारकों को दूर करने में सहायता करते हैं। इसके लिए सबसे पहले जमीन या कुर्सी पर सीधे बैठ जाएं और अपनी आंखों को बंद कर तेजी से ? का जाप करें या सकारात्मक सोचें। रोजाना इस प्रक्रिया को पांच-छह बार दोहराएं।

स्विमिंग करते समय अपने बालों को क्लोरीन युक्त पानी से इन तरीकों से बचाएं

स्विमिंग सबसे अच्छी एरोबिक एक्सरसाइज में से एक है, जो न केवल आपके फिटनेस स्तर को बढ़ाती है बल्कि दिमाग और शरीर को भी आराम देती है। लेकिन पूल के पानी में क्लोरीन की मात्रा के कारण बालों को नुकसान हो सकता है। अगर आप रोजाना स्विमिंग करते हैं तो आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने बालों को क्लोरीन युक्त पानी के नुकसान से बचा सकते हैं।

अपने सिर पर तेल लगाएं

अपने बालों को क्लोरीन युक्त पानी से बचाने के लिए तेल लगाना पहला और सबसे महत्वपूर्ण तरीका है। तेल सिर के रोमछिद्रों पर एक सुरक्षित परत बना देता है, जिससे क्लोरीन युक्त पानी स्कैल्प में नहीं घुसता। इसलिए, स्विमिंग से पहले अपने सिर पर पर्याप्त मात्रा में तेल लगाकर कुछ मिनट हल्के हाथों से मसाज करें। इसके लिए आप नारियल के तेल या फिर जैतून के तेल का इस्तेमाल करें।

नॉन क्लोरीन वाले पानी से अपना सिर गीला करें

अगर आप स्विमिंग से पहले सामान्य पानी से अपने सिर को गीला कर लेते हैं तो इसकी मदद से क्लोरीन युक्त पानी को अपने बालों में प्रवेश करने से रोक सकते हैं। तेल कोटिंग के साथ गीले बाल पूल के पानी से कम क्लोरीन को अवशोषित करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बालों को किसी भी तरह का नुकसान होने की संभावना कम हो जाती है।

लीव-इन कंडीशनर लगाएं

लीव-इन कंडीशनर की मदद से भी आप अपने बालों को क्लोरीन के पानी से होने वाले नुकसान से बचा सकते हैं। यह न केवल आपके बालों को पोषण देता है बल्कि पूल के क्लोरीन और अन्य हानिकारक रसायनों के खिलाफ सिर पर एक सुरक्षात्मक परत भी बनाता है। इसके अतिरिक्त, अगर आप किसी आउटडोर पूल में स्विमिंग करने वाले हैं तो अपने सिर पर सन प्रोटेक्टेंट हेयर स्प्रे का इस्तेमाल जरूर करें।

स्विमिंग कैप पहनें

बालों को क्लोरीन युक्त पानी से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए स्विमिंग कैप पहनना सबसे अच्छा तरीका है। यह पूरे सिर को ढकता है और पानी को बालों के संपर्क में आने से रोकता है। साफ शब्दों में कहें तो इसकी मदद से आप अपने बालों को क्लोरीन युक्त पानी सुरक्षित रख सकते हैं। इसके लिए बस अपने स्विम वियर की मैचिंग कैप पहनकर स्विमिंग करें। इससे आप स्टाइलिश लगेंगे।

अपने सिर को माइल्ड क्लींजर से धोएं

जब आप एक बार अपना स्विमिंग सेशन खत्म कर लें तो इसके बाद अपने सिर को सामान्य पानी से गीला कर लें। इसके बाद अपने सिर पर एंटी-क्लोरीन शैंपू का इस्तेमाल करके अच्छे से धो लें। यह न केवल बालों और खोपड़ी से क्लोरीन के जमाव को हटाएगा बल्कि बालों को पोषण भी देता है। इसके अतिरिक्त, आप शैंपू के बाद लिव-इन कंडीशनर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

अध्ययन में दावा- इन नट्स के सेवन से हृदय रहता है सेहतमंद,गंभीर रोगों का जोखिम भी हो सकता है कम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हृदय की सेहत को बेहतर बनाए रखने के लिए कम उम्र से ही इस तरफ विशेष ध्यान देते रहने की आवश्यकता होती है। जिस तरह से पिछले कुछ वर्षों में कम उम्र के लोगों में हृदय रोग की गंभीर जटिलताएं देखी जा रही हैं, इसे ध्यान में रखते हुए लोगों को और भी अलर्ट हो जाने की जरूरत है। हृदय को कैसे स्वस्थ रखा जाए, इस बार में जानने के लिए किए गए कई अध्ययनों में शोधकर्ताओं ने पाया कि बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को आहार में नट्स को जरूर शामिल करना चाहिए। नट्स यानी कि सूखे मेवे हृदय को स्वस्थ रखने और कई प्रकार की बीमारियों के जोखिम को कम करने के साथ, शरीर के लिए और भी कई प्रकार से लाभकारी हो सकते हैं।

हृदय रोगों के बढ़ते खतरे के बारे में लोगों को सचेत करने और हृदय को किस प्रकार से स्वस्थ रखा जा सकता है इस बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है। इस साल के हार्ट डे का थीम है- यूज हार्ट फॉर एव्री हार्ट।

आइए जानते हैं कि हृदय स्वास्थ्य को लेकर बढ़ते खतरों से बचे रहने के लिए किन नट्स का सेवन करते रहना आपको लाभ दे सकता है,। अध्ययनों में इस बारे में क्या पता चला है?

क्या कहते हैं अध्ययन?

मायोक्लीनिक के शोधकर्ता बताते हैं, शोध में पाया गया है कि नट्स का सेवन हृदय रोग और मधुमेह का कारण बनने वाले इंफ्लामेशन को कम करने में आपके लिए सहायक हो सकता है। जो लोग नियमित रूप से नट्स का सेवन करते हैं उनमें आर्टरी की समस्याओं और रक्त के थक्कों का जोखिम कम होता है। यह दिल का दौरा और स्ट्रोक के जोखिम को कम करने में भी कारगर हो सकते हैं। नट्स का सेवन बैड कोलेस्ट्रॉल को म करने में मददगार है जिससे कि हृदय को स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है। बचपन से ही नट्स को दैनिक आहार में शामिल करना इसमें आपके लिए मददगार हो सकता है।

अध्ययन में क्या पाया गया?

नट्स के सेवन से हृदय की सेहत में होने वाले लाभ के बारे में जानने के लिए किए गए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने 210,000 से अधिक लोगों के आंकड़ों का विश्लेषण किया। इस शोध में पाया गया कि प्रतिदिन 30 ग्राम की मात्रा में नट्स का सेवन करने वाले लोगों की तुलना में जिन लोगों ने कभी भी इसका सेवन नहीं किया उनमें हृदय रोगों का खतरा 14 फीसदी, जबकि कोरोनरी हार्ट डिजीज का खतरा 20 फीसदी अधिक पाया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि मूंगफली और अखरोट दोनों, हृदय रोगों के जोखिम कम कर सकते हैं।

मूंगफली खाने से होता है फायदा

जापानी शोधकर्ताओं की टीम द्वारा किए गए एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि मूंगफली के सेवन से हृदय रोग के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। मूंगफली, अनसैचुरेटेड फैटी एसिड विशेष रूप से मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड के साथ पॉलीअनसैचुरेटेड फैटी एसिड (लिनोलिक एसिड) का बेहतर स्रोत मानी जाती है। इससे ब्लड प्रेशर को कम रखने में मदद मिल सकती है, जिससे हृदय रोगों का जोखिम भी कम हो जाता है।

अखरोट के सेवन से हृदय की सेहत में लाभ

अध्ययनों में पाया गया है कि अखरोट ओमेगा -3 फैटी एसिड (अल्फा-लिनोलेनिक एसिड) का एक समृद्ध स्रोत है, जिसके सेवन से हृदय स्वास्थ्य पर लाभकारी प्रभाव होता है। कुछ शोध इस बारे में भी बताते हैं कि नट्स, विशेष रूप से अखरोट, हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को कम करने का सबसे बेहतर विकल्प हो सकता है। हृदय के साथ-साथ अखरोट का सेवन मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी कई प्रकार से लाभकारी हो सकता है।

किसका था कोयला जिसके दस्तावेज के लिए पुलिस को करना पड़ा 12 घंटे इंतजार?

» बिना किसी वैध दस्तावेज अवैध कोयले से लदा ट्रक घण्टों राष्ट्रीय राज्यमार्ग में खड़ा रहा।
» पत्रकारों तक पहुंची बात तब पहुंची पुलिस और ट्रकों को लेकर पुलिस थाने आई।
» थाने में ट्रकों को लाकर पुलिस करती रही वैध दस्तावेजों का कई घंटे इंतजार।

» कोयला पटना क्षेत्र का ही अवैध उत्खनन किया हुआ कोयला तस्करों का,पुलिस के संज्ञान में थी पूरी बात।
» बिना दस्तावेज कोयले से लदे ट्रक पके जाने के बाद भी आखिर पुलिस क्यों करती रही दस्तावेजों का इंतजार?
» क्या पकड़े जाने पर ही दस्तावेज दिखाने का है नियम या वैध दस्तावेजों के साथ होना चाहिए कोयला परिवहन?
» वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने पुलिस ने ट्रक मालिकों को दिया भरपूर समय,दस्तावेज प्रस्तुत कर आखिर ट्रक छुड़ाया गया।
» ट्रकों में लदा कोयला पटना क्षेत्र का बताया जा रहा है : सूत्र।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
कुल चार पुलिस थानों वाले एक छोटे से जिले में अवैध कारोबार पर अंकुश लगाना काफी आसान है इसके बावजूद अवैध कारोबार का होना कहीं ना कहीं संबंधित विभाग की मिलीभगत मानी जा सकती है पटना थाना से महज 5 किलोमीटर दूर नेशनल हाईवे मार्ग पर स्थित ग्राम जमगहना में दो महिंद्रा कंपनी की ट्रक अवैध कोयला लेकर सुबह से घंटो खड़ी रही ना जाने किसका इंतजार हो रहा था, इसी बीच यह बात पत्रकारों तक पहुंची और पत्रकार ट्रकों तक पहुंचे जिसकी सूचना पत्रकारों द्वारा पुलिस अधीक्षक को दी गई जिसके बाद ट्रक को पटना थाने में खड़ा करवाया गया पर सवाल यह है कि जब बिना दस्तावेज के दो ट्रकें कोयला लाद कर वहां खड़ी थी तो फिर कार्यवाही क्यों नहीं की गई? सूत्रों द्वारा यह भी बताया जा रहा है कि यह कोयला पटना क्षेत्र के ही एक कोयला तस्कर का था जो एक स्थानीय ईंट भट्ठे में जमा कर कोयले को ट्रक में लोड कर कोरबा जाने की तैयारी में था। वाहन क्रमांक सीजी 15 डीडी 9997 व सीजी 15 डीजे 9996 यह दो ट्रकें थीं जिनमे कोयला लदा हुआ था और इसके चालक परिचालक के पास कोयले के वैध दस्तावेज नहीं थे।
पटना थाना से महज 5 किलोमीटर दूर नेशनल हाईवे जमगहना पर महिंद्रा कंपनी की दो ट्रक जिसका वाहन क्रमांक सीजी 15 डीडी 9997 व सीजी 15 डीजे 9996 में कोयला भरा रहा और घंण्टो एनएच के जमगहना में खड़ी थी। जिसकी जानकारी पटना थाना तक पहुंची और कोयला से लदी ट्रक पुलिस के संरक्षण में कई घण्टो तक पटना थाना के सामने खड़ी रही। चूंकि पुलिस इन सब से क्या लेना देना बात तो सीधे पुलिस अधीक्षक के संज्ञान में रही शायद इसलिए इन ट्रकों को पटना थाने में खड़ा करवाया गया। पर सवाल यह है कि इस पूरे मामले में कोयला से लदी ट्रकों को आखिर घण्टो तक क्यों इंतजार करना पड़ा जबकि उसे छोड़ना ही था तो पकड़ा क्यों गया? पकड़ते समय क्या दस्तावेज नहीं मिले थे कि इन ट्रकों को थाना के सामने खड़ा कराया गया। फिलहाल क्षेत्र मे कई तरह की बातें कही जा रही है कुछ जानकारों का मानना है कि यह पूरा कोयला अवैध रहा और पटना के कोल माफियाओं द्वारा कोयले को ट्रक में लोड कर कोरबा भेजने की बात कही जा रही है। अंततः इस पूरे खेल का पटाक्षेप भी हुआ थाना के सामने कोयले से लदी ट्रक नहीं देखी गयी हो सकता है कि पुलिस द्वारा दीये समय पर कोल माफियाओं द्वारा दस्तावेज दिखाया गया हो या फिर पुलिस के दिये समय पर तो पूरा दस्तावेज छपवाया भी जा सकता है?

ट्रक थाने तक पहुंची पर नहीं हुई कार्यवाही-

राष्ट्रीय राज्यमार्ग पर ग्राम जमगहना में खड़ीं दो ट्रकें जिनमे कोयला लदा हुआ था कि जानकारी जब जिले के पत्रकारों को लगी तब पत्रकार वहां पहुंचे और ट्रकों के चालक परिचालक से कोयले के दस्तावेजों के बारे में उनके द्वारा पूछा गया, जिसपर चालक परिचालक वैध दस्तावेज नहीं उपलब्ध करा सके और पत्रकारों ने इसकी सूचना जिले के पुलिस अधीक्षक को दे दी तब जाकर पुलिस थाना पटना की पुलिस ट्रकों तक पहुंची और ट्रकों को लेकर पुलिस थाने चली आई।

मध्य प्रदेश से अवैध कोयला को वैध बनाने का दस्तावेज मंगाया गया,सूत्र

जैसा कि बताया जा रहा है कि कोयला अवैध रूप से पटना क्षेत्र से ही उत्खनित किया गया था और जिसे एक स्थानीय इंटभट्ठे में भंडारित कर रखा गया था जो कोयला तस्करों का कोयला था और जिसे ट्रकों में इंटभट्ठों से भरकर कोरबा ले जाने की तैयारी थी, लेकिन पत्रकारों के सज्ञान में मामला आ जाने की वजह से ट्रकों को पुलिस थाने लाया गया और फिर अवैध कोयले को वैध बनाने का काम पूरे 12 घण्टों तक चला, तब जाकर मध्यप्रदेश से कोयले का वैध दस्तावेज तस्करों द्धारा लाया जा सका और पुलिस थाने में प्रस्तुत किया गया।

किसी भी माल का दस्तावेज माल के साथ ही आता है या वाहन पकड़ आने के बाद,सवाल?

पूरे मामले में सवाल यह उठता है कि क्या किसी ट्रक में लदे माल का दस्तावेज ट्रक में मौजूद रहना चाहिए या ट्रक पकड़ में आने के बाद या जांच में पकड़े जाने के बाद 12 घण्टों का दस्तावेज प्रस्तुत किये जाने का समय दिए जाने का नियम है। जैसा कि इस मामले में हुआ पूरे 12 घण्टे दिए गए कोयले के वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए और तब जाकर कोयला वैध हो सका।

पटना के कोयला तस्कर के हौसले बुलंद, ईट भट्ठा में करते हैं भारी मात्रा में कोयला इकट्ठा फिर भेजते हैं जिले से बाहर

जिले का पुलिस थाना पटना कोयला तस्करी के लिए विख्यात हो चुका है यहां से प्रतिदिन 10 ट्रक कोयला जिले से बाहर भेजा जाता है, बताया जाता है कि जितने बड़े स्तर पर यह तस्करी का काम होता है उससे पुलिस भी अनभिज्ञ है भले ही मिली हुई है, पुलिस को भी 10 ट्रक कोयले के बाहर भेजे जाने का ज्ञान नहीं है ऐसा बताया जा रहा है। कोयला तस्कर पहले अवैध उत्खनित कोयले को स्थानीय इंटभट्ठों में इक्कठा करते हैं और फिर वहां से ट्रकों से दूसरे जिले और राज्यों के लिए रवाना करते हैं और ऐसे कई कोयला तस्कर गिरोह इसमे शामिल हैं।

क्या पुलिस आईडी कार्ड होने पर ही पत्रकार को देगी जानकारी

पूरे मामले में जब एक स्थानीय पत्रकार के सहयोगी द्वारा पुलिस थाना पटना जाकर मामले में जानकारी लेनी चाही गई तब थाना प्रभारी द्वारा पत्रकार से आईडी कार्ड की मांग की गई और मामले में तभी जानकारी प्रदान करने की बात कही गई जब आईडी कार्ड पास हो।

थाना प्रभारी ने कहा मैं लाइन अटेच हो गया हूँ वैसे पेपर आ रहा है ट्रक छूट जाएगी

पूरे मामले में पुलिस थाना पटना के चर्चित थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मेरा भले ही तबादला हो गया है थाने से लेकिन वाहनों के वैध दस्तावेज आने वाले हैं और उसके बाद वाहन छूट जाएंगे।

अवैध कार्यों पर अंकुश लगाने के मुख्यमंत्री के निर्देश पर भी नहीं हो रहा पटना क्षेत्र में अमल

कोरिया जिले के पटना क्षेत्र में अवैध कोयले का कारोबार बे व्यापक स्तर पर किया जाता है,प्रदेश के मुख्यमंत्री लगातार अवैध कार्यों पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन को निर्देश दे रहें हैं लेकिन मुख्यमंत्री के निर्देशों पर कोई अमल होता नहीं दिखाई दे रहा है क्योंकि कोयले का अवैध कारोबार यहाँ फलफूल रहा है। अब इस कारोबार से और भी ज्यादा लोग जु रहें हैं जिनमे सफेदपोश लोग भी शामिल हो रहें हैं।

मामले से जुड़े सवाल

सवाल:-अवैध कोयले से लदी ट्रक में नहीं मिला दस्तावेज, थाने में घंटों खड़े होने के बाद कहां से आया दस्तावेज, अवैध से हुआ वैध?
सवाल:-कहां से ट्रकों में लोड हुआ कोयला जिन्होंने नहीं दिया दस्तावेज, कई थाना पार कर पहुंचा पटना, क्यों कहीं नहीं हुई जांच?
सवाल:-ट्रक में लादे कोयले का नहीं था कोई दस्तावेज फिर भी पुलिस ने नहीं की कार्यवाही दस्तावेज का आने का आखिर क्यों करती रही इंतजार?
सवाल:-क्यों बिना दस्तावेज के अवैध कोयला लोड ट्रक घंटों नेशनल हाईवे जमगहना में खड़ी रही?
सवाल:- बिना दस्तावेज जमगहना से ट्रक पहुंची थाना, कार्यवाही करने के बजाए अवैध कोयला का दस्तावेज आने का पटना पुलिस क्यों करती रही इंतजार?
सवाल:-बिना दस्तावेज के हो रहा था कोयला परिवहन पकड़ में आने के बाद दस्तावेज आने का इंतजार क्यों?
सवाल:- क्या पकड़ आने के बाद ही अवैध परिवहन करने वाले दस्तावेज लेकर पहुंचते हैं थाने?
सवाल:- दस्तावेज ना होने पर तत्काल कार्यवाही करने का प्रावधान पर नहीं होता पालन, क्या रफा-दफा करने का होता है इंतजार?

वर्षो पुराने मोर्गा जलाशय के बांध में रिसाव

» नुकसान को देखा जलाशय का पानी किया गया खाली।
» जल संसाधन विभाग द्वारा तत्काल मरम्मती कार्य किया गया प्रारंभ।
» विभाग की लापरवाही की वजह से जलाशय में रिसाव, समय पर नहीं होता मरम्मत कार्य।
» संबंधित विभाग लाभ कमाने में इतना मशगूल है कि जलाशयों की देखरेख में भी नहीं दे पता समय।
» मोर्गा जलाशय में पाईप बैरल खुलने की वजह से बांध में हुआ रिसाव।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
बैकुण्ठपुर जनपद पंचायत के अंतर्गत सरभोका में स्थित लगभग 50 वर्ष पुराना मोर्गा जलाशय के तट से पानी का रिसाव होने लगा, बारिश की वजह से मोर्गा जलाशय से पानी लबालब भरा हुआ है पर उसमें रिसाव होने की वजह से बांध की टूटने की आशंका थी जिस पर विभाग ने पानी को खाली तो करवा दिया पर सवाल यह है कि यदि विभाग समय से पहले सारे जलाशयों की मरम्मत कार्य हुआ होता तो रिसाव जैसी समस्याएं बांधों में नहीं आती, पर आखिर विभाग क्यों नहीं जलाशयों की देखरेख समय पर करता है जिस वजह से बांध टूटने की समस्या उत्पन्न हो जाती है, 2 साल पूर्व ऐसे ही खड़ा जलाशय से रिसाव की वजह से टूट गया था जिसे बनने में सालों लग गए थे किसानों की फसल भी बर्बाद हो गए थे कहीं न कहीं विभाग की लापरवाही वहां भी देखी गई थी।
जल संसाधन की लापरवाही के कारण अल्पवर्षा से 100 फीसदी लबालब भरे मोरगा जलाशय का पानी खाली कराने की दिखी मजबूरी। जलाशय खाली होने से इस साल दो गांव की 278 हेक्टेयर जमीन को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिलेगा। वहीं मोरगा से एक साथ अधिक मात्रा में पानी छोड़ने से नीचे स्थित आरुणी (सैंदा) जलाशय पर खतरा मंडराने लगा है। नहर के इन्टेक वॉल जहां से नहर के सप्लाई के लिए पानी खोला जाता है, जहां विगत दो दिनों पुर्व क्षतिग्रस्त होने के कारण नहर में पानी का रिसाव बड़ी तेज़ी से बढ़ता जा रहा था जिसके देख ग्रामिणों ने तत्काल जल संसाधन विभाग को इसकी सूचना दी, जिसके पश्चात जल संसाधन विभाग द्वारा मौके पर पहुंच कर वर्तमान स्थिति का जायज़ा लेते हुए ग्रामिणों की सहायता से क्षतिग्रस्त हुए इन्टेक वॉल के बढ़ते पानी के बहाव को तथा बांध के भीठा के कटाव को रोकने के उद्देश्य से मरम्मती कार्य प्रारंभ किया गया।

बांध को बचाने पानी को खाली कर दवाव किया गया कम

जानकारी के अनुसार जल संसाधन विभाग द्वारा ग्रीष्मकाल में मोरगा जलाशय की सही तरीके से जांच व मरम्मत नहीं कराई गई थी। जिससे अल्पवर्षा के कारण 100 फीसदी लबालब भरे जलाशय का स्लूस गेट से रिसाव होने लगा है। मामले की जानकारी मिलने के बाद मंगलवार को आनन-फानन में प्रशासनिक व जल संसाधन की टीम पहुंची। तत्काल जेसीबी मशीन मंगाकर कांक्रीट से निर्मित वेस्ट वेयर को तोड़कर पानी खाली कराने जद्दोजहद में जुट गए। लेकिन जेसीबी से पक्का स्ट्रक्चर नहीं टूट पाया। मामले में सुरक्षा के लिहाज से रातभर पटवारी व ग्रामीणों की जलाशय के पास ड्यूटी लगाई गई थी। अगले दिन जल संसाधन की टीम पहुंची और मजदूर लगा पत्थर तोडने़ वाले हथौड़े व ड्रिल मशीन से वेस्ट वेयर को तोडने़ में जुटे हुए हैं। मजदूरी ड्रिल मशीन से दिनभर तोडने़ लगे लगे रहे, वहीं जेसीबी मशीन से तोड़कर मलमा हटाया जा रहा है। साथ ही पोकलेन मशीन मंगाया गया है। जिससे वेस्ट वेयर को 4-5 मीटर गहरा गड्ढा खोदकर पानी निकाला जाएगा। जल संसाधन विभाग का कहना है कि जलाशय से पानी खाली करने के बाद स्लूस गेट का नया निर्माण होगा। फिलहाल रिसाव वाले स्थल को पैरा (पुवाल) से जाम कर दिया गया है और स्थित कंट्रोल में है।

जलाशय के नीचे 10-15 घर बसे हैं,पूरी बस्ती एलर्ट मोड पर

जल संसाधन विभाग ने मोरगा जलाशय के नीचे करीब 10-15 घर की बस्ती है। जलाशय में रिसाव होने के कारण बस्ती वालों को एलर्ट रखा गया है। वहीं मंगलवार शाम को ग्रामीणों की मदद से रिसाव वाले स्थल पर धान का पैरा डालकर बंद कराया गया है। जल संसाधन का पूरा अमला मोरगा जलाशय में डेरा डाल दिया है। ड्रिल मशीन, जेसीबी, पोकलेन से वेस्ट वेयर को तोड़कर पानी खाली कराने में जुटे हुए हैं।

दो गांव की 238 खरीफ और 40 हेक्टेयर रबी फसल के लिए जमीन की सिंचाई होती है

जानकारी के अनुसार मोरगा जलाशय में 11 मीटर पानी भरा हुआ है। जल संसाधन के हिसाब से 1.14 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी है। जलाशय के रिसाव को ध्यान में रखकर पानी खाली कराया जाएगा। जिससे इस साल 238 हेक्टेयर खरीफ और 40 हेक्टेयर रबी खेती को सिंचाई करने पानी नहीं मिल पाएगा। हालाकि जल संसाधन का मानना है कि पूरा जलाशय को खाली नहीं करना पड़ेगा। स्लूस गेट तक खाली करने के बाद नया गेट निर्माण कराया जाएगा।

मोरगा जलाशय के रिसाव वाले स्थल को बंद कराया गया है। वेस्ट वेयर को तोड़कर पानी खाली कराया जाएगा,फिर नया स्लूस गेट निर्माण होगा, फिलहाल जलाशय खतरे से बाहर है।
ए टोप्पो,
कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन कोरिया

संसदीय सचिव चिन्तामणी महराज ने नगर पंचायत कुसमी के विभिन्न जगहों का किया दौरा

-उपेश सिन्हा-
कुसमी 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
संसदीय सचिव एवं सामरी विधायक चिन्तामणी महराज आज अपना पूरा दिन ब्लाक मुख्यालय कुसमी को दिया,संसदीय सचिव ने महली भगत महाविद्यालय में जनभागीदारी समिति का गठन कर बैठक का आयोजन किया गया, जनभागीदारी समिति में सामान्य परिषद के सदस्यों की नियुक्ति और कालेज के विकास पर चर्चा किया गया, बैठक के दौरान महली भगत कालेज में लंबे समय से बैठक हाल का निर्माण को लेकर शासन एवं जनसहयोग से राशि जुटाने का भी निर्णय सभी सदस्यों के सहमति से लिया गया है, पिछ्ले कई वर्ष तक जनभागीदारी समिति भंग रहने की वजह से कालेज के कई विकास कार्य अधर में लटके हुये थे, विधायक के निर्देश के बाद कुसमी कालेज में जनभागीदारी समिति का गठन किया गया,महली भगत महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष क्षेत्रीय विधायक एवं संसदीय सचिव चिन्तामणी महराज उपाध्यक्षा एसडीएम चेतन साहू, सचिव प्राचार्य अशोक पैकरा, प्रोफेसर डी.पी.साहू व सदस्य के साथ ही स्वर्गीय महली भगत के पुत्र एवं पार्षद सोमनाथ भगत को बनाया गया ,नवगठित समिति के अध्यक्ष क्षेत्रीय विधायक के द्वारा महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति ने तृतीय वर्ग कर्मचारी रखने का प्रस्ताव ,कालेज में ओपन बैडमिंटन ग्राउंड,बास्केट बॉल ग्राउंड एव अन्य खेलों के लिये मैदान समतलीकरण पर चर्चा के साथ विधायक मद से सायकल स्टैंड वाहनों की पार्किंग व्यवस्था की घोषणा विधायक के द्वारा किया गया, भवन मरम्मत के लिये पीडब्ल्यूडी विभाग को आकलन कर इस्टीमेट बनाने के लिये निर्देशित किया गया है ,कालेज में पुस्कालय पाईप लाईन शौचालय विधुतीकरण सहित अन्य विषयों पर चर्चा हुई हैामहाविद्यालय के बाद संसदीय सचिव ने सहकारी बैंक के जमीन पर दुकान निर्माण को लेकर चर्चा की और फिर सब्जी बाजार में सब्जी विक्रताओं से मुलाकात कर चर्चा की जहाँ पर सब्जी विक्रताओं के द्वारा जर्जर हालत में सब्जी सेड होने से दुर्घटना होने को लेकर बातचीत की गई और विधायक ने सब्जी मार्केट में सेड निर्माण मरमम्त को लेकर नगर पंचायत के सीएमओ को आवश्यक दिशा निर्देश दिया,विधायक ने कुसमी सामुदायिक स्वाथ्य केंद्र का भी निरीक्षण कर मरीजों से हालचाल जाना मरीजों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने को लेकर बीएमओ को दिशा निर्देश दिया,वार्ड क्रमांक 01 कुम्हारपारा का भी दौरा विधायक ने किया और लोगो से मुलाकात कर समस्या सुनी,वही विधायक ने जनपद पंचायत कुसमी में अधिकारियों के साथ बैठक की और अपने गांव गांव के दौरे के दौरान ग्रामीण जनता से मिलने वाले शिकायत का तत्काल निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दी,इस दौरान विधायक के दौरा कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष हुमंत सिंह ,नगर पंचयात अध्यक्ष गोवर्धन भगत ,ब्लांक कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष विनोद यादव ,पूर्व नगर पंचयात उपाध्यक्ष एवं ज़िला सचिव अरुण गुप्ता ,मज़दूर संघ जिला अध्यक्ष अरविंद तिवारी ,युवा कांग्रेस ज़िलाअध्यक्ष मुजसम नज़र ,पूर्व नगर पंचयात अध्यक्ष विनोद राम ,पार्षद ललित निकुंज ,पार्षद छत्रपति प्रजापति, एल्डरमैन सुशिल दुबे ,प्रदेश प्रतिनिधि सोनू अली जी,ब्लांक कांग्रेस प्रवक्ता पंकज दुबे ,ब्लांक कांग्रेस सहसचिव जवाहिर लकड़ा ,युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव पूर्णिमा सेमरिया सहित कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे ।

गोटगांव में जरूरतमंद स्कूली बच्चों को 10 हजार कॉपियों का वितरण किया गया

-संवाददाता-
प्रतापपुर 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
छोटे पांव मजबूत कदम जरूरतमंद स्कूली बच्चों को 10 हजार कॉपियों का वितरण करेगा,आज गुरुवार को प्रतापपुर के गोटगांव से इसकी शुरुआत हुई।इस दौरान बच्चों को पेन के साथ पेंसिल, रबर और कटर का वितरण भी किया गया।पिछले तीन सालों से जरूरतमंद बच्चों और बुजुर्गों के लिए चल रही इस मुहिम द्वारा एक साथ इतनी बड़ी संख्या में कॉपी व पेन पेंसिल वितरण को बड़ी पहल माना जा रहा है और इसकी सराहना हो रही है क्योंकि कई हजार बच्चों को पढ़ाई में इनका लाभ मिलेगा।
पिछले तीन सालों से जरूरतमंद बच्चों और अन्य लोगों को जनसहयोग से आवश्यक सामान उपलब्ध कराने के लिये छोटे पांव मजबूत कदम द्वारा चलाई जा रही मुहिम रंग ला रही है।स्वेटर,जूते, कम्बल के बाद इस वर्ष ढाई हजार छातों का वितरण अनूठी पहल थी और अब संस्था जरूरतमंद स्कूली बच्चों को 10 हजार कॉपी का वितरण करने जा रही है और कॉपियों के साथ पेन,पेंसिल,रबर,कटर वितरण की शुरुआत गुरुवार को प्रतापपुर के गोटगांव में आसपास के स्कूलों के लगभग दो सौ बच्चों को पांच सौ से ज्यादा कॉपियों से हुई।स्कूल प्रांगण में इसके लिए आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों का स्वागत कॉपी देकर हुई।इसके बाद बच्चों को कॉपी व अन्य सामग्री का वितरण हुआ।कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित मंत्री प्रतिनिधि कुमार सिंह देव ने छोटे पांव मजबूत कदम और इसके संयोजक राकेश मित्तल,अनिल मित्तल व टीम से जुड़े सभी की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों को स्कूल से जोड़े रखने व बेहतर पढ़ाई के लिए किया जा रहा प्रयास अद्भुत है।हम शुरू से इनके साथ हैं और देख रहे हैं कि संस्था किस तरह लोगों को अपनी मुहिम से जोड़ रही है और उनसे सहयोग लेकर बच्चों के हित में काम कर रही है।शक्कर कारख़ाना अध्यक्ष विद्या सागर सिंह ने कहा कि दस हजार कॉपी सुनकर ही किसी को भी आश्चर्य में डाल सकता है लेकिन छोटे पांव मजबूत कदम के प्रयास से यह सम्भव हो पा रहा है।टीम के लोग तो बधाई के पात्र हैं हीं, जो खुले मन से इन्हें सहयोग करते हैं,उनका सहयोग भी सरहानीय है तथा हमें नियमित रूप से इस संस्था का सहयोग करना चाहिए।जिला पंचायत सदस्य मंजू संतोष मिंज ने कहा कि हमारी पढ़ाई वनांचल में कठिनाई और अभावों के बीच हुई है।आज भी बहुत से बच्चे गरीबी के कारण अभाव में पढ़ाई करते हैं और इन बच्चों के बारे में संस्था जिस तरह की सोच रखते हुए काम कर रही है,जितनी प्रशंसा की जाए,कम है।शक्कर कारख़ाना उपाध्यक्ष जितेंद्र दुबे ने कहा कि संस्था के संयोजक राकेश मित्तल और उनकी सोच के बारे में बोलने के लिए उनके पास शब्द नहीं है।जो खुद अच्छा होता है उसके दिमाग में भी अच्छी सोच आती है और समाज के लिए बेहतर करता है।इन्होंने बच्चों को छाते दिए जिसके बारे में शायद हम सोच नहीं पाते,अब दस हजार कॉपी बांटना अद्भुत है,हम हमेशा संस्था के साथ हैं तथा जो सहयोग होगा अवश्य करेंगे।स्वागत भाषण में संयोजक राकेश मित्तल ने छोटे पांव मजबूत कदम की जानकारी दी,आभार बीईओ एमएस धुर्वे ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन राकेश मोहन मिश्रा न किया।
इस दौरान नगर पंचायत जरही अध्यक्ष बीजू दासन,बनवारी लाल गुप्ता,सतीश चौबे,जनपद सीईओ मु निजामुद्दीन, अनुजेश्वर पांडेय,एकलव्य के प्राचार्य भूपेश तिवारी,एबीओ साइमन तिर्की,सिद्धू सिंह,उपसरपंच शिवप्रसाद,पंच विजय,जन शिक्षक धर्मपाल सिंह,दीपक झा,शिक्षक अमिताभ पटवा,उज्जैन यादव,वीरेंद्र पंकज,हेमसाय एक्का,शशि साहू,निर्मल ज्योति जायसवाल,हर्षा जायसवाल,शकीला पैंकरा,रमिया बेग,रोजी एक्का,अजय कुजूर व अन्य उपस्थित थे।

तीन से चार हजार बच्चे होंगे लाभान्वित...

बीईओ एमएस धुर्वे ने छोटे पांव मजबूत कदम के राकेश मित्तल की सोच की सराहना करते हुए कहा कि इतनी बड़ी संख्या में कॉपी मिलने से तीन हजार से ज्यादा गरीब बच्चे लाभान्वित होंगे।ये वे बच्चे हैं जिनके पास कॉपी पेन नहीं होते हैं,उन्होंने बताया पहली कक्षा के बच्चो को एक कॉपी पेंसिल सेट के साथ स्लेट दी जाएंगी।दूसरी के बच्चो को दो कॉपी व पेंसिल सेट,तीसरी कक्षा के बच्चों को तीन कॉपी,पेंसिल सेट व पेन तथा चौथी और पांचवीं के बच्चों को चार चार कॉपी,पेंसिल सेट व पेन दिए जाएंगे जो संस्था के पास उपलब्ध हैं।

बिडम्बना,गरीब बच्चों के पास नहीं होती हैं कॉपियाँ व अन्य जरूरी सामग्री...

मुहिम से जुडे अनिल मित्तल ने कहा कि सरकार बच्चों को किताबें,ड्रेस तो उपलब्ध कराती है लेकिन यह एक बड़ी बिडम्बना है कि उनके पास कॉपी पेंसिल पेन जैसी जैसी चीजें नहीं होतीं जबकि पढ़ाई के दौरान सबसे जरूरी हैं।सरकार को इस दिशा में भी सोचना चाहिए और सरकारी स्कूल के बच्चों को कॉपी पेन व अन्य आवश्यक चीजें उपलब्ध करानी चाहिए ताकि उनकी पढ़ाई निर्वाद्ध चल सके।

स्थापना दिवस पर 3 हजार स्लेट और पेंसिल का होगा वितरण....

छोटे पांव मजबूत कदम के संयोजक राकेश मित्तल ने चर्चा के दौरान कहा कि पिछले तीन सालों से हमारा प्रयास है कि जनसहयोग से जरूरतमंद बच्चों व बुजुर्गों को जरूरी चीजें उपलब्ध कराएं।स्वेटर,कम्बल,जूते बड़ी संख्या में वितरित किये, इस साल जरूरतमंद स्कूली बच्चों को छातों का वितरण हमारे साथ बच्चों के लिए बहुत खास रहा क्योंकि करीब ढाई हजार बच्चे बारिश के कारण स्कूल जाने से वंचित नहीं हो रहे हैंदस हजार कॉपियाँ बनवाई हैं जिनका वितरण शुरू हो गया है,इसके साथ पेंसिल सेट व पेन भी दे रहे हैंहमारी मुहिम एक और प्रयास कर रही है कि स्कूलों में स्लेट का प्रचलन शुरू हो क्योंकि इसके कई फायदे हैं,एक तो पालकों को खर्च कम पड़ेगा और पढ़ाई में कई तरह के फायदे बच्चों को होंगे।उन्होंने बताया कि जनसहयोग से तीन हजार स्लेट व पेंसिल खरीद लिए हैं,29 सितंबर को छोटे पांव मजबूत कदम का स्थापना दिवस है और इस दिन सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले पहली कक्षा के सभी बच्चों को स्लेट पेंसिल वितरित करेंगे।

CMYK

पटना छोड़ कोयला तस्कर पहुंचे चरचा कालरी

» पटना क्षेत्र में कई दशकों से कोयला तस्करों का राज,अब क्या चरचा तक तस्करी का करेंगे विस्तार?
» चरचा क्षेत्र से कोयले का अवैध परिवहन हुआ जारी, तस्करों के एक गुट को मिली हरि झंडी:सूत्र।
» पटना ग्रामीण क्षेत्रों में है कोयले की भरपूर खपत, गांव-गांव लगाए जाते हैं चिमनी भट्ठे।
» पटना क्षेत्र से ही अन्य राज्यों को भी ट्रकों से भेजा जाता है कोयला, तस्कर भेजते हैं अवैध कोयला।
» पुलिस की मिलीभगत से भी नहीं किया जा सकता इंकार,खुलेआम होता है कारोबार।
» एक वर्ष में कई करोंं का है कोयले का अवैध कारोबार,कई गुट करते हैं कारोबार।
» प्रशासन अवैध कोयले के कारोबार पर अंकुश लगा पाने में आजतक रहा है नाकाम,धड़ल्ले से होता है कारोबार।
» समय से पहले शुरू हुआ कोयले का काल कारोबार,इस बार कारोबार का केंद्र बना चरचा कॉलरी।
» क्या कोयले के अवैध कारोबार की जानकारी नहीं है चरचा प्रभारी को?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

बरसात का मौसम अब जाने को है और शरद ऋतु आने को है शरद ऋतु जहां मौसम के अनुसार ही समय पर आती है वैसे ही कोरिया जिले के कुछ क्षेत्रों में यह ऋतु कोयला तस्करों के इन्तेजार की समाप्ति की ऋतु होती है, क्योंकि इसी समय उनके अवैध कोयले के कारोबार की शुरुआत होती है और जो बरसात के मौसम के आने तक जारी रहती है जिसमें कई करोड़ों का कारोबार कोयला तस्कर करते हैं और खुलेआम करते हैं। कोयला का अवैध कारोबार जिले में कोई नया नहीं है पर यह बात सही है कि इस अवैध कारोबार को कोई भी बंद नहीं करा पाया हर साल यह अवैध कारोबार चलता है और कारोबार से कहीं ना कहीं पुलिस विभाग के कुछ कर्मचारियों व अधिकारियों को भी आर्थिक लाभ होता है, यह कटु सत्य है इस कारोबार में संलिप्त लोग उनके कामों में बाधा ना आए इसके लिए बाधा बनने वाले सभी को खरीद फरोख्त करते हैं, इसके बाद यह काम बड़े पैमाने पर शुरू होता है, इस बार कोयले का कारोबार वक्त से पहले शुरू हो गया है और इस बार कोयले का अवैध कारोबार करने वालों का अड्डा बना है चरचा कॉलरी जहां थाने के पीछे से ही इस कारोबार की शुरुआत होती है, एसईसीएल द्वारा कोयले का उत्पादन हो रहा है और बेल्ट के जरिए कोयला निकलता है ठीक थाना के पीछे कारोबारी इस अवैध काम को अंजाम दे रहे हैं। पटना क्षेत्र के अवैध कोयला के कारोबारी चरचा कॉलरी का रुख कर लिए हैं बताया जाता है कि चरचा कॉलरी क्षेत्र में एसईसीएल का निकलने वाला कोयला जिस पर कोयले के कारोबारियों द्वारा अपने मजदूर लगा कर प्रतिदिन बेल्टों से कोयला उतारते हैं और पिकअप के माध्यम से कोयले को ईंट भट्ठा में तक खपाने का काम कर रहे हैं, इस बार काले कोयले का कारोबार वक्त से पहले शुरू कर दिया गया है, ताकि इस बार लगभग 10 महीने यह कारोबार किया जा सके, पटना क्षेत्र में अभी यह कारोबार शुरू नहीं हुआ है पर वहीं चरचा से इस कारोबार की शुरुआत की गई है और सबसे आश्चर्य की बात यह है कि थाना के पीछे महज कुछ दूरी से ही यह कोले का कारोबार संचालित हो रहा है पर चरचा पुलिस को इसकी भनक तक नहीं।

कोयला तस्करों ने बढ़ाया अपना क्षेत्र

कोयला तस्करी का कारोबार कोरिया जिले के पटना क्षेत्र में ही काफी बड़े व्यापक रूप से होता आया है लेकिन इसबार कोयला तस्करों ने अपना क्षेत्र बढ़ाया है और वह चरचा तक जा पहुंचे हैं और चरचा से इस वर्ष कोयले की तस्करी शुरू हो चुकी है जैसी की सूचना मिल रही है। चरचा से कोयला लाकर कोयला तस्कर या तो उसे पटना क्षेत्र में खपा रहे हैं या फिर उसे बड़ी ट्रकों से बाहर के राज्यों में भेज रहे हैं और मोटी कमाई कर रहे हैं, कुल मिलाकर कोयला तस्करी का कारोबार इसबार व्यापक रूप से वृहद क्षेत्र तक होगा यह तय नजर आने लगा है।

पटना क्षेत्र में कई दशकों से जारी है कोयला तस्करी

पटना क्षेत्र में कई दशकों से कोयले की तस्करी जारी है और जिसे कई तस्करों के गुट द्वारा संचालित किया जाता है और जो धड़ल्ले से कोयला तस्करी करते हैं,कोयला तस्कर एसईसीएल की खदानों से निकलने वाले कोयलों के साथ साथ ही जंगलों में खुद के ही कोयले खदानों का संचालन अवैध रूप से करते हैं जहां एक समय में सैकड़ों मजदूर काम कर कोयले का अवैध उत्खनन करते हैं। कोयले के अवैध उत्खनन सहित एसईसीएल से चोरी किये गए कोयले को तस्कर अवैध ईंट भट्ठों के संचालकों के बेचते हैं और मोटी कमाई करते हैं।

पटना क्षेत्र में है अवैध इंटभट्ठों की भरमार

पटना क्षेत्र में अवैध ईंट भट्ठों की भरमार है। इस क्षेत्र में शामिल हर गांव में अवैध रूप से बंगला भट्ठों का संचालन किया जाता है और ईंट बनाया जाता है। यही अवैध ईंट भट्ठे अवैध कोयले की खपत करते हैं और कोयला तस्करों को एक तरह से मदद पहुंचाते हैं उनके अवैध कारोबार में। अवैध ईंट भट्ठों का इस क्षेत्र में इसकदर प्रचलन है कि शायद ही किसी गांव में अवैध इंटभट्ठों को न देखा जा सके वहीं प्रशासन भी इनपर कार्यवाही करने की बजाए इन्हें ऐसे ही छूट दे रखी है जिससे प्रतिदिन इनकी संख्या बढ़ती देखी जा रही है। वैसे बताया जाता है कि संबंधित विभाग उन्हें इनपर रोक लगा सकता है वह इनसे ऊपरी आमदनी से जुड़कर इन्हें बिना कार्यवाही छोड़ देता है। जैसी की सूचना मिल रही है इसबार कोयला तस्करों ने पटना क्षेत्र से पलायन कर चरचा कालरी का रुख किया है जहां से तस्करी जारी हो चुकी है जैसी की सूचना मिल रही है। कोयला तस्करों ने इसबार अपने तस्करी क्षेत्र में इसबार इस तरह बढ़ोतरी की है और यह चरचा तक पहुंचकर प्रशासन को चुनौती देते नजर आ रहे हैं। बताया यह भी जा रहा है कि इसबार कुछ बड़े सफेदपोश नेताओं को भी तस्करी में शामिल कर लिया गया है जो सत्ताधारी दल के हैं और जो कोयला तस्करी से होने वाली आमदनी का आंकलन कर इस व्यवसाय में जुड़ गए हैं। वैसे पहले भी इस व्यवसाय में सफेदपोश नेताओं की उपस्थिति नहीं थी ऐसा कहना गलत होगा क्योंकि पूर्व की सरकार के नेताओं द्वारा भी यह काम किया जाता रहा है और यह आज भी इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं।

प्रशासन नहीं रोक पा रहा अवैध कोयले का कारोबार

कोरिया जिले में कई दशकों से जारी अवैध कोयले के कारोबार पर प्रशासन आज तक अंकुश लगा पाने में असफल रहा है और यह अवैध कारोबार धड़ल्ले से कोयला तस्कर करते चले आ रहे हैं। वैसे ऐसा नहीं है कि प्रशासन इस कारोबार को रोकना चाह रहा है और फिर भी रोक नहीं पा रहा है बल्कि प्रशासन इस कारोबार को रोकना ही नहीं चाह रहा है क्योंकि इससे जुड़े लोग राजनीतिक पहुंच वाले हैं और सत्तापक्ष से जुड़े हुए हैं।

निगम में केवल महापौर और विधायक के परिवार का ही विकास हो रहा हैः दीपक पटेल

पूर्व विधायक श्याम बिहारी ने कहा स्वच्छता कर्मियों को उल्टा लटकाने वाले विधायक को खुद उल्टा लटक कर माफी मांगना चाहिए।
भाजपा ने निगम क्षेत्र की 7 सूत्रीय मांग पूरा ना होने पर निगम का किया घेराव व धरना प्रदर्शन।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

घेराव व धरना प्रदर्शन के दौरान पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा स्वच्छता कर्मियों को उल्टा लटकाने वाले विधायक को खुद उल्टा लटक कर चिरमिरी की जनता से माफी मांगना चाहिए। उपरोक्त बाते पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने नगर निगम द्वारा 7 सूत्रीय मांगो को पूर्ण न करने के कारण आयोजित निगम घेराव व धरना प्रदर्शन के दौरान कही उन्होंने आगे कहा कि नगर पालिक निगम चिरमिरी क्षेत्र में नगर निगम की उदासीनता के कारण जनसुविधाओं और कर्मचारीयो से जुड़ी समस्याओं का निराकरण करने के लिये महापौर और विधायक के पास वक्त नही है। ये केवल स्वच्छता कर्मियों को उल्टा लटकाने की बात करते है जबकि स्वछता कर्मियों को देश के प्रधानमंत्री सम्मान दे रहे है। निगम और प्रदेश की गूंगी बहरी कांग्रेस सरकार जनहित के कामो को करने में भी असफल साबित हो रही है। इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल केशरवानी, जिला महामंत्री व पूर्व महापौर डमरू बेहरा, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा, पूर्व अध्यक्ष किर्ती वासो, भाजपा मंडल अध्यक्ष रघुनन्दन यादव, नेता प्रतिपक्ष संतोष सिंह, बबलु डे, तेजनारायण सिंह, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष अनीश यादव, राजेश सिंह, नरेंद्र साहू, हसदेव मंडल अध्यक्ष विनोद गुप्ता, मनेन्द्रगढ़ मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, संजय सिंह, अभय जायसवाल, रामचरित द्विवेदी, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती रानी गुप्ता, श्रीमती तिवारी, सावित्री दास, राजेन्द्र दास, लखन लाल श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र, त्रिलोचन चक्रवर्ती, राजू नायक, अब्दुल रशीद, संदीप सोनवानी सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर निगम में कार्यरत नियमित व प्लेसमेंट कर्मचारियों का वेतन भुगतान विगत 3 माह से ना होना दुर्भाग्यपूर्ण

पूर्व विधायक जायसवाल ने कहा कि नगर निगम में कार्यरत नियमित व प्लेसमेंट कर्मचारियों का वेतन भुगतान विगत 3 माह से नहीं हो पाना दुर्भाग्यपूर्ण है। निगम क्षेत्र अंतर्गत सभी प्रमुख मार्गो पर लगाए गए स्ट्रीट लाइट काफी दिनों से बंद है व मरम्मत ना होने कारण खराब हो चुके हैं जिन्हें जल्द से जल्द चालू करने के लिये निगम के महापौर के पास वक्त नही है। निगम क्षेत्र में जितने भी वाटर एटीएम है उन में कार्यरत कर्मचारियों को विगत 21 महीने से वेतन नहीं दिया गया, उनके घर किस तरह से चल रहे होंगे आप अनुमान लगा सकते है। नगर क्षेत्र में बरसात के बाद से गाजर घास व अन्य खरपतवार पौधे काफी तेजी से बढ़ गए उनकी साफ-सफाई नगर निगम द्वारा नहीं जाने से बीमारियों के फैलने का अंदेशा है। स्वच्छता के नाम पर केंद्र से आने वाले पैसों से 48 लाख का डस्ट बीन खरीदी घोटाला कर रहे है। क्षेत्र में संचालित सभी सिटी बस काफी लंबे अरसे से बंद है जिससे क्षेत्र के आम नागरिकों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिस हेतु पूर्व में संचालित सभी रूटों पर सिटी बसों का संचालन प्रारंभ करने को लेकर नगर निगम महापौर किस मुहूर्त का इंतजार कर रही है। नगर निगम क्षेत्र के सभी प्रमुख सड़को पर आए दिन गौ-वंश काफी संख्या में नजर आते है, जिससे राहगीरों को काफी परेशानी के साथ दुर्घटनाओं का भी सामना करना लड़ रहा है, गौ-वंशो के लिए प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा लाखो रुपये खर्च कर बनाये गए गौठानो में उन्हें रखने की व्यवस्था कर पाने में भी असमर्थ है, इससे साफ जाहिर है कि गौठान भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डो की सड़कें व नाली बरसात के कारण खराब हुई है, जिसके कारण आमजनों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, बजबजाती नालियों से मलेरिया डेंगू जैसे बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई है, जिस हेतु मरम्मत कार्य व दवा छिड़काव किया जाना महापौर और विधायक को आवश्यक नही लगता है।

विनय है तो विकास की जगह विनाश हो रहा है

पूर्व विधायक दीपक पटेल ने कहा कि इस निगम में केवल महापौर और विधायक के परिवार का ही विकास हो रहा है। आम जनता की सुधि लेने का इनके पास वक्त नही है। विनय है तो विकास की जगह विनास हो रहा है तो वही विकास की चाभी अब जनता खोज रही है। कोरोना काल मे 50-50 हजार रुपये सभी पार्षदों से ले लिया गया और उस पैसे का उपयोग कांग्रेस पार्टी का चेहरा चमकाने का काम महापौर और विधायक के द्वारा किया गया।

वन विभाग हाथियों को खदेड़ने में नाकाम,ग्रामीणों की बढ़ी चिंता

-संवाददाता-
कोरबा 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

वन विभाग की लाख कोशिशों के बावजूद कटघोरा वन मंडल के पसान रेंज में हाथियों का उत्पात थमने का नाम ही नही ले रहा । जिससे वन विभाग व ग्रामीणों की चिंता बढ़ गयी है हाथियों ने रेंज के अड़सरा गांव के ढोढ़ी पारा में उत्पात मचाते हुए फिर दो ग्रामीणों के मकान ढहा दिए तथा बाड़ी व खेतो में लगे मक्का व धान की फसल को बुरी तरह रौंद दिया द्ब क्षेत्र में 25 हाथी विचरण कर रहे है । यह हाथी मध्य रात्रि को ढोढ़ी पारा बस्ती में प्रवेश कर वहां के बाहरी क्षेत्र में स्थित दो मकानों को ढहा दिए । हाथियों ने जिस समय घरों को निशाना बनाया उस समय वहां कोई भी मौजूद नही था। हाथियों के आने की सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी तत्काल गांव में पहुंच गए थे और मुनादी कराने के बाद सुनसान क्षेत्र में रह रहे लोगों को पंच रतन सिंह के पक्के आवास में ठहरा दिया था। वन अमले की सक्रियता से कोई जनहानि नही हो सकी। अड़सरा में हाथियों के उत्पात व घर तोड़े जाने की सूचना पर वन विभाग का अमला गांव पहुंचा और हाथियों द्वारा किए गए संपत्ति नुकसानी का सर्वे किया द्ब वन विभाग के सूत्रों के मुताबिक फसल नुकसानी का अभी आकलन नही किया जा रहा है, क्योंकि हाथी क्षेत्र में जमे हुए और बार बार ग्रामीणों के खेतों में पहुंचकर वहां लगे फसलों को लगातार नुकसान पहुंचा रहे है। हाथियों के क्षेत्र से अन्यत्र जाने के बाद आकलन किया जाएगा और पीड़ितों को मुआवजा दिलाने के लिए कार्रवाई की जाएगी। उधर केंदई रेंज में 21 हाथी कापा नवापारा के पास जंगल में विचरण कर रहे है। वन विभाग द्वारा हाथियों के क्षेत्र में दस्तक देने की सूचना ग्रामीणों को मुनादी के जरिए दे दी गई है, और उनसे कहा गया है कि, वें हाथियों की मौजूदगी वाले जंगल की ओर न जाए ,विशेष कर अंधेरे में ज्यादा ही सावधानी बरते।

मिनी माता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालकों नगर में किया गया जागरूकता कार्यक्रम

-संवाददाता-
कोरबा 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह द्वारा अवैध नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे निजात अभियान के तहत मिनी माता उ. मा. विद्यालय बालकों नगर में छात्र छात्राओं एवं स्कूल स्टाप को नशा मुक्ति, साइबर ठगी, अवैध नशीले पदार्थ, नारकोटिक्स एक्ट, यातायात नियमों, टोनही प्रताड़ना अधिनियम के संबंध में नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा एवं थाना प्रभारी विजय चेलक द्वारा जानकारी देकर जागरूक किया गया।

भाजपा मंडल महामंत्री रामचरित ने मुख्यमंत्री पत्र प्रेषित कर मनेंद्रगढ़ नगरी क्षेत्र के विस्तार करने की मांग

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर/मनेंद्रगढ़ 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

भाजपा मंडल महामंत्री रामचरित द्विवेदी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को एक पत्र प्रेषित करते हुए मनेंद्रगढ़ नगरी क्षेत्र के विस्तार करने का अनुरोध किया है।
प्रदेश के मुख्यमंत्री को प्रेषित अपने ज्ञापन में मंडल महामंत्री ने उल्लेखित किया है कि वर्तमान में मनेंद्रगढ़ में 22 वार्ड हैं किंतु कुछ ऐसी ग्राम पंचायतें हैं जो मनेंद्रगढ़ शहर से बिल्कुल लगी हुई है, यदि उन ग्राम पंचायतों को नगरी क्षेत्र में शामिल कर दिया जाए तो क्षेत्र का चौमुखी विकास हो सकेगा। ज्ञापन में उल्लेखित किया गया है कि यदि मनेंद्रगढ़ नगर पालिका क्षेत्र में ग्राम पंचायत चैनपुर, ग्राम पंचायत

लालपुर, ग्राम पंचायत चंनवारीडाड को जोड़ दिया जाए तो नगरी क्षेत्र का विकास होगा। जिला मुख्यालय बनने के बाद यह जरूरी हो गया है कि इन ग्राम पंचायतों को मनेंद्रगढ़ में शामिल कर दिया जाए ऐसा करने से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। श्री द्विवेदी ने ज्ञापन में यह भी उल्लेखित किया है कि वर्तमान में ग्राम पंचायत चैनपुर में कलेक्टर कार्यालय एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय प्रारंभ किया जा चुका है। इन दोनों प्रमुख कार्यालयों से लेकर नगर पालिका क्षेत्र में बीच के जो ग्रामीण क्षेत्र आते हैं उन्हें सम्मिलित करने से संपूर्ण क्षेत्र का समग्र विकास होगा साथ ही साथ क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। भाजपा महामंत्री ने इस दिशा में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से भी आग्रह किया है कि वह इस दिशा में सकारात्मक पहल करें, जिससे नवगठित जिला तेजी से विकास की दिशा में अग्रसर हो सके।

एनएच 43 पर उदलकछार रेल्वे फाटक के पास

सड़क में बना गड्ढा बड़ी दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा है

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 22 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

सड़क पर यह गड्ढा विगत चार पांच माह से है जिसमे से ज़िम्मेदार अधिकारियों व विधायकों का धक्के खाते हुए आवागमन हमेशा लगा रहता है लेकिन फिर भी उनका इस ओर ध्यान न जाना आश्चर्यचकित करता है शायद उन लोगों को किसी बड़ी दुर्घटना का इंतज़ार है इस सम्बंध में जब पीडब्लूडी के अधिकारियों से बात की जाती है तो उनका कहना है कि यह सड़क रेल्वे में आती है और जब रेल्वे के अधिकारियों से बात करो तो उनका कहना है कि ये हमारे क्षेत्राधिकार में नहीं आता है ऐसे में इसका खामियाज़ा इस सड़क पर आवागमन करने वाले आमजनो को भुगतना पड़ रहा है जिस पर यात्री बसों के साथ हमेशा बड़े छोटे वाहनों का आना जाना लगा रहता है जो अक्सर क्षतिग्रस्त होते रहते हैं इस रोड पर चलने वाले बसो व ट्रकों के कभी कमानी पट्टा टूट रहे हैं तो कभी अन्य हानि हो रही है तथा दो पहिया वाहन चालक अक्सर गिर रहे हैं।

अभी कुछ माह पूर्व ही इस मार्ग को नये सिरे से करोड़ो की लागत लगा कर बनाया गया है जिससे यहां चलने वाले वाहनों की गति में भी काफी इज़ाफ़ा हुआ है जो खतरे की घन्टी है यदि इसकी जल्द से जल्द यथोचित मरम्मत नहीं कराई गई तो कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है जिसमें जान-माल की भारी हानि हो सकती है क्योकि सड़क पर हुए गड्ढे से लगी हुई एक पुलिया है जिससे रोड पर उछाल रहे वाहनों से पुलिया में लगे आरसीसी पाइप टूट गए हैं और वहां पर भी अब गड्ढा होने लगा है इतना सब होने के बाद भी ज़िम्मेदार अधिकारियों, विधायकों व नेतागणों का ध्यान इस ओर न जाना समझ से परे है।

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा) सूरजपुर,जिला सूरजपुर,छ.ग.

रा.प्र.क्र.../अ-2/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-गोपालपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती कृति गुर्जर पति अवध कुमार गुर्जर जाति गुर्जर निवासी ग्राम चेन्द्रा पोस्ट दवना तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके अधिपत्य एवं स्वत्व की भूमि ग्राम गोपालपुर प.ह.न. 09 रा.नि.म. व तहसील सूरजपुर स्थित स्वयं के खाते की भूमि खसरा क्रं. 616/14 रकबा 0.040 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिए भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतएव उक्त संबंध में ग्राम गोपालपुर के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 30.09.2022 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 15.09.2022 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर,जिला सरगुजा,छ.ग.

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.../अ-2/2021-22

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुषमा गुप्ता पत्नी राजेश कुमार गुप्ता जाति केसरवानी निवासी ग्राम/नगर मायापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम दरिमा तहसील दरिमा खसरा नंबर 245/4 रकबा 0.094 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, व्यवसायिक प्रयोजन पेट्रोल पम्प स्थापित हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1,खसरा, नक्शा,सेटलमेन्ट रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 06/10/2022 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 20/09/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर,जिला सरगुजा,छ.ग.

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.../अ-2/2021-22

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नीलिमा तिर्की पत्नी शीतल तिर्की जाति उरांव निवासी ग्राम/नगर पटपरिया तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 157/794 रकबा 0.026 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 08/10/2022 को मेरे न्यायालय में अथवा अधिक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 022/09/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर,जिला सरगुजा,छ.ग.

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.../अ-2/2021-22

एतद् द्वरा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रश्मि तिर्की पत्नी बिन्दया कुमार तिर्की जाति उरांव निवासी ग्राम/नगर बूढ़ाड़ांड तहसील बगीचा जिला जशपुर (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 2/941 रकबा, 0.024 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यापवर्तन कराने के लिए बी-1, खसरा, नक्शा,अधिकार अभिलेखन, रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथ 08/10/2022 को मेरे न्यायालय में अथवा अधिक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 22/09/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.../अ-6/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती पार्वती देवी पत्नी स्व0 कैलाशनाथ पाण्डेय, उम्र- 65 वर्ष निवासी- संगम चौक, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा बताया गया कि अनावेदक / विक्रेता- बलदेव प्रसाद सोनी आ0 साधु साव, निवासी- देवीगंज रोड, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट 1037 -2 में से रकबा 0.04 हे0 भूमि है। उक्त नजूल प्लॉट नजूल प्लॉट 1037-2 में से रकबा 0.04 हे0 भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 07.07.1979 के द्वारा अनावेदक/विक्रेता - बलदेव प्रसाद सोनी आ0 साधु साव, निवासी - देवीगंज रोड नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 से मेरे द्वारा क्रय किया गया है। अतः पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 07.07.1979 के आधार पर अपने नाम नामान्तरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110, छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को काई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 30/09/2022 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 13/09/2021 को मेरे न्यायलयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्रं0 /अ-6 /2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शमीमा बेगम पत्नी कलीमुल्ला कुरैशी, उम्र-55 वर्ष,निवासी -मायापुर,अम्बिकापुर जिला-सरगुजा के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर बताया गया कि अनावेदक कलीमुल्ला कुरैशी उम्र-70 वर्ष निवासी मायापुर,नगर अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के स्वामित्व व हक की मोहल्ला मायापुर नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट 1583/2 1582/2 रकबा 0.10, 0.07 एकड़ दर्ज है। अनावेदक कलीमुल्ला कुरैशी आ0 मोहम्मद सिद्दीक कुरैशी उम्र-70 वर्ष निवासी मायापुर नगर अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा हिब्बानामा दिनांक 19 सितम्बर 2022 के द्वारा उनको प्रदान कर दिया गया है। अनावेदक के द्वारा आवेदित भूमि का कब्जा भी प्रदान किया जा चुका है। अतः दिनांक 19 सितम्बर 2022 को निष्पादित हिब्बानामा के आधार पर खातेदार का नाम विलोपित कर आवेदकगण का नाम दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109,110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 12/10/2022 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 22/09/2022 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर स जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

विश्व कप में घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाना चाहते हैं: ललित उपाध्याय

भारतीय हॉकी टीम के फॉरवर्ड ललित उपाध्याय ने कहा कि उनकी टीम अगले साल होने वाले विश्वकप में घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर पिछले 48 वर्षों से चले आ रहे पदक के सूखे को खत्म करना चाहती है। भारत अगले साल 13 से 29 जनवरी के बीच भुवनेश्वर और राउरकेला में पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी करेगा।

बेंगलुरू,22 सितम्बर 2022। भारतीय हॉकी टीम के फॉरवर्ड ललित उपाध्याय ने कहा कि उनकी टीम अगले साल होने वाले विश्वकप में घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर पिछले 48 वर्षों से चले आ रहे पदक के सूखे को खत्म करना चाहती है। भारत अगले साल 13 से 29 जनवरी के बीच भुवनेश्वर और राउरकेला में पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी करेगा। पिछली बार यह टूर्नामेंट 2018 में खेला गया था और तब भारत क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड से 1-2 से हारकर बाहर हो गया था।

उपाध्याय ने कहा,'' पिछली बार भुवनेश्वर में खेले गए विश्वकप के क्वार्टर फाइनल में दुर्भाग्य से हमने अंतिम क्षणों में गोल गंवा दिया था लेकिन इसके बाद से टीम ने खेल के प्रत्येक क्षेत्र में काफी सुधार किया है और इस बार हम खिताब के प्रबल दावेदारों में शामिल है।
उन्होंने कहा,'' हमारा लक्ष्य घरेलू परिस्थितियों का लाभ उठाकर बेहतरीन प्रदर्शन करना है और उम्मीद है कि इस बार हम पदक जीतने में सफल रहेंगे।'' भारत को विश्वकप में इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के साथ ग्रुप डी में रखा गया है।

झूलन गोस्वामी को लॉर्ड्स में शानदार विदाई देने को तैयार है भारत: हरमनप्रीत

कैंटरबरी ,22 सितम्बर 2022। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला जीतने के बाद अब उनकी टीम अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को शनिवार को लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे वनडे में शानदार विदाई देने के लिए तैयार है। इंग्लैंड के वर्तमान दौरे के बाद 39 वर्षीय झूलन गोस्वामी अपने दो दशक तक चले करियर को अलविदा कह देंगी तथा हरमनप्रीत का मानना है कि श्रृंखला में क्लीन स्वीप करना उनके लिए शानदार विदाई होगी।
भारत ने दूसरे वनडे में इंग्लैंड को 88 रन से हराकर 23 साल बाद उसकी धरती पर एकदिवसीय श्रृंखला जीती। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा,'' लॉर्ड्स में होने वाला आखिरी मैच हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके बाद झूलन संन्यास ले लेंगी और हम बिना किसी दबाव के इस मैच का आनंद लेना चाहते हैं। मुझे बहुत खुशी है कि हम आज जीत दर्ज करने में सफल रहे और अब हम उस मैच का पूरा लुत्फ उठा सकते हैं।'' भारत ने आखिरी बार 1999 में इंग्लैंड में वनडे श्रृंखला जीती थी। तब उसने 2-1 से श्रृंखला अपने नाम की थी। हरमनप्रीत ने कहा,'' जीत दर्ज करना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनका (झूलन) आखिरी मैच होगा। यह हम सभी के लिए बेहद भावुक पल होगा और हम निश्चित तौर पर वह मैच जीतना चाहेंगे।'' उन्होंने कहा,'' हम पहले ही श्रृंखला जीत चुके हैं और ऐसे में हम उस मैच का पूरा आनंद उठा सकते हैं क्योंकि मैं जानती हूं कि यह उनका आखिरी मैच है।'' भारतीय कप्तान ने कहा झूलन गोस्वामी टीम के सभी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत रही है। उन्होंने कहा,'' वह ऐसी खिलाड़ी है जिन्होंने हमें काफी कुछ सिखाया है। जब मैंने पदार्पण किया तब वह कप्तान थी और मैंने उनसे काफी कुछ सीखा है और अब हमारी युवा गेंदबाज रेणुका सिंह और मेघना सिंह भी उनसे सीख रही हैं। वह हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रही हैं और हमने उनसे काफी कुछ सीखा है।'
हरमनप्रीत ने 111 गेंदों पर नाबाद 143 रन की आकर्षक पारी खेली लेकिन उन्होंने कहा कि टीम की जीत में प्रत्येक खिलाड़ी ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा,''आज की जीत बेहद महत्वपूर्ण थी क्योंकि हर खिलाड़ी ने अपना योगदान दिया। जब मैं बल्लेबाजी कर रही थी तो पहले 50 रन तक बल्लेबाजी करना आसान नहीं था।''
इंग्लैंड की कार्यवाहक कप्तान एमी जोंस ने कहा कि भारत के खिलाफ वर्तमान श्रृंखला से उनके युवा तेज गेंदबाजों को सीख मिलेगी। उन्होंने कहा,'' प्रत्येक हार को पचा पाना मुश्किल होता है और उन्होंने बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन करके जीत को हमसे दूर कर दिया था। हरमन ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। उनके लिए गेंदबाजी करना बहुत मुश्किल था और यह हमारी युवा गेंदबाजों के लिए अच्छा सबक है।

मैच की टिकट को लेकर फैंस में मची अफरा-तफरी,लाठीचार्ज से कई लोग घायल

नयी दिल्ली ,22 सितम्बर 2022। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का अंतिम मैच को लेकर टिकट बिक्री शुरू कर दी गई है। हैदराबाद में होने वाले इस मुकाबले के लिए जैसे ही ऑफलाइन टिकट के लिए विंडो खोली गई तो फैंस के बीच अफरा-तफरी मच गई। टिकट पाने के लिए बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंच गए थे, जिसके बाद भीड़ पर काबू पाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा।

25 सितंबर को खेला जाना है मुकाबला

टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला हैदराबाद में रविवार यानी 25 सितंबर को खेला जाना है। क्रिकेट फैंस में इस मैच को लेकर काफी उत्साह है, क्योंकि अगर दूसरा मुकाबला भारत जीत लेता है तो तीसरा मैच फाइनल की तरह होगी। जिसका रोमांच हर क्रिकेट फैंस उठाना चाहता है। लिहाजा इस मुकाबले को देखने की दीवानगी लिए कई फैंस मैच की टिकट को खरीदने आए थे।

भीड़ को काबू में करने के लिए करना पड़ा लाठीचार्ज

राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम के बाहर टिकट खरीदने के लिए लोगों की भीड़ इतनी ज्यादा हो गई कि वहां भगदड़ का माहौल बन गया। हंगामा इतना बढ़ गया कि पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। जिसके बाद कुछ लोग घायल भी हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टिकट खरीदने आए चार लोगों को नजदीकी अस्पताल इलाज के लिए ले जाना पड़ा है।

टिकट की बिक्री शुरू होते ही मच गया भगदड़

मैच की टिकट के लिए बुधवार रात से ही लंबी-लंबी कतारें लगी हुई थी। गुरुवाप सुबह 10 बजे जैसे ही टिकट के लिए गेट खोला गया तो लोगों ने भगदड़ शुरू कर दी। जिसे रोकने के लिए पुलिस की ओर से लाठी चार्ज का प्रयोग किया गया। सोशल मीडिया पर भगदड़ का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। जिस पर फैंस भी लगातार अपना रिएक्शन दे रहे हैं।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन की हो रही है आलोचना

ऑनलाइन रिपोर्ट्स के मुताबिक सुबह पांच बजे से ही फैंस इंतजार कर रहे थे। समय बीतने के साथ-साथ संख्या बढ़ती ही जा रही थी। इस घटना को लेकर हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) के कुप्रबंधन की काफी आलोचना हो रही है। राज्य निकाय के अध्यक्ष मोहम्मद अजहरुद्दीन ने अभी तक इस घटना पर किसी तरह का कोई बयान नहीं नहीं दिया है, लेकिन सोशल मीडिया पर इसका वीडियो खूब वायरल हो रहा है।

सौरव गांगुली और विराट कोहली ने जय शाह को जन्मदिन पर बधाई दी

नयी दिल्ली ,22 सितम्बर 2022। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने बोर्ड के सचिव जय शाह को गुरुवार को उनके 34वें जन्मदिन पर बधाई दी। कई पूर्व और वर्तमान क्रिकेटरों ने भी 2019 से बोर्ड के सचिव पद पर काबिज शाह को सोशल मीडिया के जरिए बधाई दी। गांगुली ने ट्विटर पर लिखा,'' जय शाह को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई।ईश्वर उन्हें खुशियों और सफलताओं से भरी स्वस्थ और लंबी उम्र दे।'' कोहली ने ट्वीट किया,'' जय शाह आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।'' शाह को पिछले साल एशियाई क्रिकेट परिषद का भी अध्यक्ष चुना गया था। पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह, बल्लेबाज शिखर धवन और सूर्यकुमार यादव तथा महिला क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मिताली राज ने भी शाह को जन्मदिन पर बधाई और शुभकामनाएं दी।

हेल को दिल्ली हाफ मैराथन 2022 का अंतरराष्ट्रीय इवेंट एंबेसडर नामित किया गया

नयी दिल्ली ,22 सितम्बर 2022। इतिहास में सबसे बड़ी दूरी के धावकों में से एक, हेल गेब्रसेलासी, अगले महीने दिल्ली हाफ मैराथन 2022 में इंटरनेशनल इवेंट एंबेसडर होंगे, रेस प्रमोटर्स प्रोकैम इंटरनेशनल ने गुरुवार को घोषणा की।
इथियोपियन ने लगातार ओलंपिक (1996 और 2000) में 10,000 मीटर स्वर्ण और आठ विश्व चैंपियनशिप इंडोर और आउटडोर ट्रैक खिताब 1500 मीटर से 10,000 मीटर तक एक मंजिला करियर में जीते।
गेब्रसेलासी ने 2001 में विश्व हाफ मैराथन चैंपियनशिप और लगातार चार बार बर्लिन मैराथन सहित नौ प्रमुख मैराथन जीते। 2008 में, उन्होंने 35 वर्ष की आयु में 2¬03.59 के तत्कालीन विश्व रिकॉर्ड समय में बर्लिन मैराथन में भाग लिया। एक शहर को एक साथ दौड़ते हुए देखने से ज्यादा प्रेरणादायक और आनंददायक कुछ चीजें हैं। जब हम एक साथ दौड़ते हैं, हम एक साथ रहते हैं, हम एक साथ जीतते हैं,÷ गेब्रसेलासी ने कहा, जिसे प्यार से किंग हैले के नाम से जाना जाता है।
÷दौड़ना और समुदाय दो चीजें हैं जो मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, और वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन जैसी घटना उन्हें एक अनोखे तरीके से एक साथ लाती है। मेजबान शहर का उत्साह इस खूबसूरत घटना को बनाने में शामिल सभी में कुछ खास प्रेरित करता है। संभव है। मैं सभी धावकों का उत्साहवर्धन करने जा रहा हूँ क्योंकि हम दिल्ली के विभिन्न रंगों का जश्न मना रहे हैं। मिलते हैं स्टार्ट लाइन पर!÷ उसने जोड़ा।

किंग हैले की अविश्वसनीय कैरियर उपलब्धियों में दूरी के पार आश्चर्यजनक 27 विश्व रिकॉर्ड शामिल हैं, जो उन्हें यकीनन अब तक का सबसे बड़ा दूरी धावक बना देता है।
वेदांत लिमिटेड की गैर-कार्यकारी निदेशक प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने कहा, ÷वेदांत परिवार 2022 के वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन में प्रसिद्ध ओलंपिक चैंपियन हैले गेब्रसेलासी का स्वागत करने के लिए रोमांचित है। स्कूल जाने के लिए हर तरह से 10 किमी दौड़ने का उनका शुरुआती संघर्ष दृढ़ संकल्प का अनुकरणीय है। और दृढ़ता। उनके आकर्षक ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, मुझे यकीन है कि उनकी भागीदारी हजारों और लोगों को ट्रैक पर ले जाने और एक ऐसे कारण के लिए प्रेरित करेगी जो जरूरतमंद लोगों को 1 मिलियन भोजन देने के हमारे लक्ष्य को साकार करने में मदद करेगी- साथ में हम इसे बना सकते हैं होना।÷
÷हम अंतर्राष्ट्रीय इवेंट एंबेसडर के रूप में गेब्रसेलासी को पाकर रोमांचित हैं, और धावकों को प्रेरित करने के लिए एक किंवदंती से बेहतर कौन है! गेब्रसेलासी एक पथप्रदर्शक थे जिन्होंने असंभव को संभव बनाया,÷ विवेक सिंह, संयुक्त। एमडी, प्रोकैम इंटरनेशनल। उन्होंने कहा, ÷परिवर्तन और आकांक्षा वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन के केंद्र में हैं, जिसने दिल्ली और भारत में हजारों लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया है।÷

16 जून 2023 से होगी एशेज सीरीज की शुरुआत

इंग्लैंड ,22 सितम्बर 2022। विश्व क्रिकेट में सबसे बड़ी राइवलरी ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड एशेज क्रिकेट की डेट्स घोषित कर दी गयी है। आपको बता दे, सीरीज अगले साल इंग्लैंड में खेली जाएगी और बेन स्टोक्स इंग्लैंड टीम की कमान पहली बार एशेज में संभालते हुए नजर आएंगे। इसके साथ ही स्टोक्स अपनी टीम के साथ घरेलू स्थितियों का फायदा उठाना चाहेंगे। वहीं दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया की टीम जिसने पिछले टूर्नामेंट में ये कप अपने नाम किया था वो घर से बहार जाकर विपरीत हालातों में एशेज कप को दोबारा अपने नाम करना चाहेगी।
ऑस्ट्रेलिआई टीम की कमान पैट कमिंस संभालते हुए नजर आएंगे। एशेज विश्व क्रिकेट की सबसे पुरानी जंग है जो ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच हर दो साल में होती है और एक नया इतिहास बनाती है, एशेज सीरीज के दौरान 5 टेस्ट मैच खेले जाते है। वहीं दोनों ही देश को इन मुकाबलों को करने का मौका मिलता है।

राघव लॉरेंस ने चंद्रमुखी 2 के लिए बनाई बॉडी

निर्देशक पी वासु की चंद्रमुखी 2 में मुख्य भूमिका निभाने वाले अभिनेता राघव लॉरेंस ने इस भूमिका के लिए परफेक्ट बॉडी बनाई है। राघव लॉरेंस ने ट्विटर पर कुछ तस्वीरें साझा करके कहा, नमस्कार, मैं आपके साथ दो चीजें साझा करना चाहता हूं।
सबसे पहले, मैं एक छोटा सा प्रयास साझा करना चाहता हूं जो मैं अपने शरीर को बदलने के लिए कर रहा हूं। चंद्रमुखी 2 के लिए मैंने जो शरीर बनाया है, इस बदलाव को लाने के लिए मेरे ट्रेनर शिव मास्टर को धन्यवाद। मुझे आप सभी के आशीर्वाद की आवश्यकता है।
आगे उन्होंने कहा, मैं इन सभी वर्षों के लिए मेरे और मेरे विश्वास का समर्थन करने के लिए अपने सभी दाताओं को धन्यवाद देना चाहता हूं। आप सभी मेरे साथ खड़े रहे और अपने दान के साथ मेरी दृष्टि का समर्थन किया।

मैंने सबसे अच्छा किया है और जब भी मैंने आपकी मदद ली है। इसकी जरूरत थी।अब, मैं एक अच्छी जगह पर हूं और मैं और फिल्में साइन कर रहा हूं, मैंने खुद लोगों की सेवा करने की पूरी जिम्मेदारी लेने का फैसला किया है।
इसलिए, मैं अपने समर्थकों से लॉरेंस चैरिटेबल ट्रस्ट के लिए अपना पैसा दान नहीं करने का अनुरोध करता हूं।आपका आशीर्वाद मेरे लिए काफी है। मैं इतने वर्षों से मिले समर्थन और प्यार के लिए आभारी हूं। मैं जल्द ही अपने सभी समर्थकों के लिए एक धन्यवाद कार्यक्रम की व्यवस्था करूंगा! आप सभी को दिल की गहराइयों से धन्यवाद।

जामतारा 2 एक रोमांचक सीरीज होगी : मोनिका पंवार

क्राइम ड्रामा जामताड़ा के दूसरे सीजन के लिए तैयार अभिनेत्री मोनिका पंवार ने कहा कि आने वाला सीजन दर्शकों के लिए काफी रोमांचकारी होगा। उसका कैरेक्टर एक भयंकर शक्ति के रूप में उभरेगा और उस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। किरदार को लेकर बात करते हुए मोनिका ने साझा किया, पिछला सीजन गुड़िया को अपनी जमीन खोजने के बारे में था, यह सीजन उसके लिए अस्तित्व की अंतिम लड़ाई होगी। एक कलाकार के रूप में मुझे चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने में मजा आता है जो मुझे अनुमति देती है विभिन्न भावनाओं का अनुभव करने के लिए। वह अपने निर्देशक को उनसे काम निकलवाने के लिए सराहना की। मैं इस रास्ते पर नहीं चल पाती अगर सौमेंद्र पाधी निर्देशक नहीं होते। वह एक उत्कृष्ट शिक्षक हैं। एक अभिनेत्री के रूप में, उनके साथ काम करना एक बहुत ही समृद्ध अनुभव था। उन्होंने हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन किया क्योंकि गुड़िया का कैरेक्टर विकसित होता रहा।जामतारा 2 फिशिंग की दुनिया को बड़े दांवों और बड़े खतरों के साथ और अधिक खुलेगा। विश्वासघात, राजनीति और सत्ता की एक अमिट प्यास के साथ गतिशीलता में बदलाव के साथ कहानी बुनी जाएगी। नए खिलाड़ी खेल में जुड़ेंगे। जामतारा 2 23 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

चिरंजीवी के गॉडफादर के डिजिटल अधिकार 57 करोड़ रुपये में बिके

इंडस्ट्री के सूत्रों की माने तो निर्देशक मोहन राजा की आने वाली एक्शन एंटरटेनर के डिजिटल राइट्स, तेलुगु मेगास्टार चिरंजीवी और बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की विशेषता वाले गॉडफादर को एक ओटीटी प्लेटफॉर्म द्वारा एक फैंसी राशि के लिए खरीदा गया है।
उद्योग में अटकलें बताती हैं कि लोकप्रिय ओटीटी प्लेटफॉर्म, नेटफ्लिक्स ने फिल्म के डिजिटल अधिकार 57 करोड़ रुपये में खरीदे हैं। इस सौदे में फिल्म के तेलुगु और हिंदी दोनों ओटीटी अधिकार शामिल हैं।
गॉडफादर से काफी उम्मीदें हैं क्योंकि फिल्म में भारतीय फिल्म उद्योग के दो बड़े सितारे हैं।
मेगास्टार चिरंजीवी ने मुख्य भूमिका निभाई है, जबकि बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान 5 अक्टूबर को स्क्रीन पर हिट होने के लिए तैयार होने वाले एक्शन एक्सट्रावगांजा में एक प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे।
चिरंजीवी ने एक ऐसा किरदार निभाया है जिसे फिल्म में गॉडफादर कहा जाता है। गॉडफादर का किरदार जनता की नजरों से 20 साल के लिए गायब हो जाता है और फिल्म में अगले छह वर्षों में अचानक बड़ी लोकप्रियता हासिल करने के लिए लौट आता है।
फिल्म में चिरंजीवी के छोटे भाई की भूमिका निभा रहे सलमान खान, जब भी उनका बड़ा भाई चाहता है, वह उनकी मदद के लिए तैयार रहते हैं।फिल्म में नीरव शाह द्वारा छायांकन और थमन द्वारा संगीत दिया गया है और यह इस वर्ष के सबसे उत्सुकता से प्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर्स में से एक है।

CMYK

संक्षिप्त समाचार

वन कर्मचारियों की हड़ताल स्थगित,मांगों पर विभाग से चर्चा के बाद लिया गया फैसला

रायपुर, 22 सितम्बर 2022। दैनिक वेतन भोगी वन कर्मचारियों की हड़ताल स्थगित हो गई है. विभागीय अधिकारियों से चर्चा के बाद हड़ताल स्थगित कर दी गई है. पिछले 34 दिनों से कर्मचारियों की ये अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी थी.

बता दें कि नियमितीकरण और स्थायीकरण की मांग को लेकर हड़ताल चल रही थी. मांगो पर चर्चा हुई जिसके बाद हड़ताल स्थगित कर दी गई है. कर्मचारियों का कहना है कि तीन महीने में आश्वासन पर कार्रवाई नहीं हुई तो फिर से हड़ताल करेंगे.

मोबाईल फोन चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 22 सितम्बर 2022। प्रार्थी सेवक राम साहू ने थाना पुरानी बस्ती में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह दिनांक 28.08.22 की रात्रि करीबन 10.20 बजे भाठागांव स्थित अंग्रेजी शराब दुकान पास गाड़ी को रोककर खड़ा था, तभी भाठागांव निवासी राहुल यादव अपने एक्टिवा वाहन से प्रार्थी के पास आकर प्रार्थी के जेब से मोबाईल फोन चोरी कर भाग गया। जिस पर आरोपी राहुल यादव के विरूद्ध थाना पुरानी बस्ती में अपराध क्रमांक 415/22 धारा 356, 379 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एवं साईबर यूनिट एवं थाना पुरानी बस्ती पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थी से विस्तृत पूछताछ करते हुए घटना में संलिप्त आरोपी राहुल यादव के छिपने के हर संभावित स्थानों में लगातार रेड कार्यवाही करते हुए प्रकरण में संलिप्त आरोपी राहुल यादव को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की विवो कम्पनी का मोबाईल फोन कीमती लगभग 18,000/- रूपये एवं घटना में प्रयुक्त एक्टिवा वाहन क्रमांक सीजी 04 एन एफ 2258 को जप्त कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही की गई।

क्रेशर खदान में हादसा, करंट लगने से चालक हुआ घायल

जांजगीर-चांपा, 22 सितम्बर 2022। जिले के मां शारदा क्रशर खदान में एक हाइवा चालक 11केवी विद्युत लाइन की चपेट में आकर घायल हो गया। उसे गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है.

बता दें कि चालक खिलावन सूर्यवंशी 25 वर्ष ग्राम पिसोद का रहने वाला था। वह मां शारदा क्रशर खदान में हाइवा वाहन चलाता है। बताया जाता है कि वो हाइवा को मेंटेनेंस के लिए चेक कर रहा था। हाइवा 11केवी विद्युत लाइन के नीचे खड़ा था। जब ड्राइवर ने उसके ट्रॉले को ऊपर उठाया, तो वो तार से टकराने लगा, इससे गाड़ी में भी करंट आने लगा।

इसी दौरान जब ड्राइवर खिलावन सूर्यवंशी ने हाईवा के पार्ट को चेक करने के लिए छुआ, तो वो भी करंट की चपेट में आ गया। हाइवा चालक करीब 5 मिनट तक करंट आ रही गाड़ी में चिपका रहा। जैसे ही क्रशर खदान में काम कर रहे लोगों ने ये देखा, उन्होंने तुरंत बिजली बंद करवाई।

सशस्त्र सेना जितना सुदृढ़,देश उतना ही सुरक्षित एवं विकासशील:राज्यपाल

राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने जगदलपुर में किया सैनिक विश्रामगृह का लोकार्पण

रायपुर, 22 सितम्बर 2022। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने आज जगदलपुर के धरमपुरा स्थित सैनिक कल्याण बोर्ड कार्यालय परिसर में सैनिक विश्रामगृह का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने वीर नारी (सैनिकों के विधवा, परिवार के महिला सदस्य) को शाल-श्रीफल से सम्मानित कर राशि का वितरित किया। साथ ही द्वितीय विश्वयुद्ध में शहीद जवान की पत्नी को और पेंशन प्राप्त जवानों की पत्नियों को सहायता राशि का चेक प्रदान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल सुश्री उइके कहा कि मैं उन सैनिक परिवारों के बीच हूँ, जिनके शूरवीरों ने अपनी पूरी जिन्दगी कठिन परिस्थितियों में देश की रक्षा में गुजारी है। राज्यपाल ने कहा कि उनकी सेवाओं के फलस्वरूप ही देश चारों ओर से सुरक्षित है। हमारा कर्तव्य है कि हम अपने भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों की देखभाल करें ताकि सरहद पर तैनात सैनिक बेहिचक अपने कर्तव्य का निर्वहन कर सकें। सशस्त्र सेना जितना सुदृढ़ होती है, देश उतना ही सुरक्षित एवं विकासशील होता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के वीर सैनिकों एवं उनके आश्रितों के लिए एक करोड़ 06 लाख की लागत से बने सैनिक विश्राम गृह में 06 कमरे और हॉल का निर्माण किया गया है। नवनिर्मित विश्रामगृह में सैनिक परिवारों के अलावा बस्तर आने वाले समस्त वर्दीधारियों एवं उनके परिजनों को भी आश्रय मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 07 दिसम्बर को पूरे देश में बड़े शान से मनाया जाता है। सभी देशवासी अपने सैनिकों, शहीदों एवं उनके परिवार के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए ए.एस.एफ फण्ड में बढ़-चढ़कर दान देवें। इस निधि में मिलने वाली समस्त दान राशि का पूर्व सैनिकों, शहीदों एवं उनके आश्रितों के कल्याण हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं में उपयोग किया जाता है।

» सैनिकों के कल्याण व समस्याओं के लिए हेल्प लाईन नंबर जारी करने के दिए निर्देश

राज्यपाल ने जिला प्रशासन को वीर योद्धाओं एवं उनके परिवारों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो, इसके लिए हेल्प लाईन नंबर जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने महीने के दो दिवस सैनिकों के कल्याण व समस्या सुनने तथा उसके निराकरण के लिए रखने को कहा। राज्यपाल ने बस्तर क्षेत्र के युवाओं को सुरक्षा बलों व सेना में भर्ती के लिए अधिक प्रेरित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सैनिक कल्याण बोर्ड के संचालक ब्रिगेडियर विवेक शर्मा और कलेक्टर एवं जिला सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री चंदन कुमार ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

कार्यक्रम में एनसीसी के कैडेटों ने राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इस अवसर पर पुनीत सागर अभियान से संबंधित पर्यावरण संरक्षण पर नाट्य का मंचन भी हुआ। राज्यपाल सुश्री उइके ने इस मौके पर पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ परिसर में वृक्ष रोपित किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, कमिश्नर श्री श्याम धावड़े, बस्तर विश्वविद्यालय के कुलपति श्री मनोज श्रीवास्तव, आईजी श्री ओ.पी. पाल, ब्रिगेडियर ए.के. दास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र मीणा, विंग कंमाडर श्री पात्र, पूर्व मंत्री श्री अरविंद नेताम सहित भूतपूर्व सेना के अधिकारी-जवान और सेना से संबंधित परिवार उपस्थित थे।

मिलिशिया डिप्टी कमांडर के साथ 5 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा, 22 सितंबर 2022। जिले के भेज्जी थाना क्षेत्र के कोलाईगुड़ा कैंप में पुलिस व सीआरपीएफ के अफसरों के सामने इलाके में सक्रिय 05 नक्सलियों नक्सलियों मिलिशिया डिप्टी कमांडर सोड़ी हुंगा, मिलिशिया सदस्य मड़कम सुक्का, सोड़ी दुरवा व सोड़ी रामा व जीआरडी सदस्य माड़वी लखमा ने आत्मसमर्पण कर दिया है। इस दौरान इनके साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण भी साथ में कोलाईगुड़ा कैंप पंहुचे थे। सुरक्षाबलों ने ग्रामीणों को खेल व शिक्षण सामग्री व दैनिक उपयोग की सामग्री वितरित की और उन्हें भोजन भी कराया। इस दौरान एसपी सुनील शर्मा, कोबरा 202 बटालियन के टूआईसी पुर्नवासु तिवारी, सीआरपीएफ की 50वीं बटालियन के टूआईसी पामुला किशोर, एएसपी गौरव मंडल, उप पुलिस अधीक्षक गिरिजा शंकर साव व उत्तम प्रसाद सिंह, निरीक्षक देवेंद्र कुमार ठाकुर व अन्य मौजूद रहे।

नक्सलियों ने स्थापना सप्ताह के 18वीं वर्षगांठ मनाने लगाये बैनर-पर्चे

जगदलपुर, 22 सितंबर 2022। बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित दक्षिण बस्तर के बीजापुर जिले के भोपालपटनम, भैरमगढ़, उसूर इलाके में वहीं उत्तर

बस्तर के कांकेर जिले के भानूप्रतापपुर से पखांजूर जाने वाले मुख्य मार्ग जातावाडा के समीप नक्सलियों द्वारा नक्सली संगठन के स्थापना सप्ताह के 18वीं वर्षगांठ मनाने की अपील के बैनर-पर्चे लगाये हैं, बैनर-पर्चे में 21 से 27 सितम्बर तक वर्षगांठ मनाने की अपील की जा रही है। नक्सलियों ने बैनर-पर्चे जारी कर कहा है कि 21 सितम्बर को माओवादी पार्टी का गठन हुआ। नक्सलियों ने दावा किया है कि कोरोना काल में बीमारी के समय सुकमा, बीजापुर जिले में लाखों रुपया आवंटित कर तीन चार महीने में सैकड़ों आम जनता का इलाज कर जान बचाई गई है।

बीजेपी नेता 10 बोतल शराब के साथ गिरफ्तार

राजनांदगांव, 22 सितम्बर 2022। रायपुर के भाजपा नेता को चिचोला पुलिस ने पेट्रोलिंग के दौरान तय शर्तों से अधिक शराब की बोतल रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी भाजपा से जुड़ा हुआ है। राजनीतिक धौंस जमाकर मामले को रफा-दफा करने का दबाव पुलिस पर आरोपी ने काफी समय तक रखा, लेकिन पुलिस ने भाजपा नेता को आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के मुताबिक रायपुर गुढियारी के रहने वाले जयराम कुमार दुबे को गश्त के दौरान पुलिस ने नियम से अधिक शराब रखने के मामले में गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस ने 10 बोतल अलग-अलग ब्रांड की शराब जब्त की है। वहीं 4 बोतल देशी भी बरामद की है।

पुलिस को आरोपी ने राजनीतिक पहुंच का भी धौंस दिखाया, लेकिन कार्रवाई कर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। पुलिस के साथ आरोपी ने काफी बहसबाजी भी की। साथ ही कार्रवाई करने वाले जवानों को देख लेने की भी धमकी दी। आरोपी खुद को भाजपा सूचना अधिकार प्रकोष्ठ का पदाधिकारी बता रहा था। आरोपी के कार के पीछे शीशे में प्रकोष्ठ का नाम लिखा हुआ है।

बस पलटी,एक ही झटके में तीन लोगों की छीन गई जिंदगी,6 लोगों का हुआ ये हाल

जशपुर, 22 सितम्बर 2022। यात्री बस पलट जाने से 3 लोगों की मौत हो गई है,6 लोग घायल हो गए हैं। इनमें से 4 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। बुधवार शाम को जब यात्री बस पत्थलगांव से अंबिकापुर की ओर जा रही थी। इस दौरान सामने से आ रही बाइक को टक्कर मारते हुए बस पलट गई। जशपुर जिले के पत्थलगांव थाना क्षेत्र के गोढ़ीकला की घटना है।

बाइक सवार 2 युवक और बस में सवार एक यात्री की मौत हुई है। घायलों को पत्थलगांव अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसडीओपी मयंक तिवारी के मुताबिक बुधवार शाम को पत्थलगांव से यात्रियों को लेकर राजधानी ट्रांसपोर्ट की बस अंबिकापुर के लिए रवाना हुई थी। पत्थलगांव से अंबिकापुर जाने वाले एनएच-43 की हालत बेहद खराब है, इसलिए बस चालक ने ग्रामीण इलाके से बस को निकालना चाहा। लेकिन ग्राम पंचायत गोढ़ीकला के पास पहुंचते ही गलत साइड से आ रहे 2 बाइक सवारों को बचाने के चक्कर में बस पलट गई।

इस हादसे में बस यात्री बलराम लकड़ा (65 वर्ष), बाइक सवार देवानंद (25 वर्ष) और दिवाकर नागवंशी (22 वर्ष) की मौत हो गई है। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है। घायलों में सनकुमारी (30 वर्ष), सनियारो राउत (50 वर्ष), सूरज लकड़ा (6 वर्ष), सुनीता (30 वर्ष) और चंगे लाल (60 वर्ष) शामिल हैं।

फ्लैक्स में पीसीसी अध्यक्ष की तस्वीर नहीं लगाने वाले कांग्रेसियों को नोटिस जारी

रायपुर, 22 सितम्बर 2022। कांग्रेस पार्टी के कार्यक्रम के दौरान फ्लैक्स और होर्डिंग में प्रदेश अध्यक्ष की तस्वीर नहीं लगाने के मामले में संगठन ने बिलासपुर के तीन पदाधिकारियों को नोटिस जारी है। साथ ही, यह स्पष्ट कर दिया है कि संतोषजनक जवाब नहीं आने पर कार्रवाई की जाएगी।

बिलासपुर में 20 सितंबर को शहर व जिला कांग्रेस कमेटी का संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन और बैठक थी। इसमें छत्तीसगढ़ प्रभारी पीएल पुनिया, पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव डहरिया और सह प्रभारी सप्तगिरी उल्का गए थे। इस दौरान संयुक्त महामंत्री बंटी खान, शहर जिला कांग्रेस कमेटी के सदस्य फारुख खान और राजवर्धन सिंह ने होर्डिंग और फ्लैक्स में पीसीसी अध्यक्ष की तस्वीर नहीं लगाई थी। इसे लेकर संगठन ने सख्त रुख दिखाया है।

पीसीसी के प्रभारी महामंत्री (संगठन) ने कहा है कि पार्टी प्रोटोकॉल और अनुशासन का पालन नहीं करने वालो का पार्टी में कोई जगह नहीं है। मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और प्रभारियों के प्रोटोकॉल का अनिवार्य रूप से पालन होना चाहिए। इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी पदाधिकारियों से तीन दिन में जवाब मांगा गया है।

प्रमुख सचिव एवं सचिव स्कूल शिक्षा ने परखी स्कूलों की जमीनी वस्तुस्थिति

रायपुर, 22 सितम्बर 2022। राज्य में स्कूली शिक्षा में बच्चों के सीखने-सिखाने के स्तर एवं जमीनी वास्तविकताओं को परखने आज स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ल, स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, संचालक लोक शिक्षण सुनील जैन महासमुंद जिले के साराडीह गाँव के प्राथमिक स्कूल का अवलोकन करने पहुंचे।

उन्होंने स्कूल की प्रधानाध्यापिका के साथ सभी कक्षाओं में बच्चों के साथ विस्तार से बातचीत कर उनके स्तर के आकलन करने का प्रयास किया। 145 की दर्ज संख्या वाले स्कूल में लगभग 120 विद्यार्थी ही उपस्थित पाए गए। डॉ. आलोक शुक्ला ने अनियमित उपस्थिति वाले बच्चों की सूची बनाकर उन्हें नियमित करने के लिए बच्चों के पालकों और समुदाय के साथ

मिलकर काम करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कक्षा शिक्षण में कक्षा के एक बच्चे को बोर्ड या चार्ट पर लिखे शब्दों या वाक्यों को पढ़कर अन्य बच्चों को दोहराने की बरसों पुरानी परंपरा भी यहाँ दिखाई दी। प्रमुख सचिव ने शिक्षकों को बच्चों को पढ़ाने के कौशल और इसे रोचक बनाने पर अधिक जोर दिया। उन्होंने इसके लिए शिक्षक प्रशिक्षण की नियमित व्यवस्था करने की आवश्यकता बताई।

स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. भारतीदासन ने कक्षा में एक बच्चे के साथ कितने देर शिक्षक व्यक्तिगत ध्यान दे पाते हैं आदि की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों को सिखाने में व्यक्तिगत रूचि लेने का आग्रह किया। संचालक, लोक शिक्षण सुनील जैन ने सभी संकुल समन्वयकों को शीघ्र प्रशिक्षित करते हुए उन्हें बच्चों में मूलभूत भाषाई एवं गणितीय कौशल विकास में फोकस होकर कार्य करने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के सोमशेखर ने बच्चों को निक्लर एप्प के प्रदर्शन के माध्यम से शिक्षण कौशल की जानकारी दी।

वरिष्ठ अधिकारियों के इस निरीक्षण दल द्वारा परिसर में संचालित बालवाड़ी, शौचालय एवं किचन शेड आदि का निरीक्षण करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश भी दिए। उन्होंने मध्यान्ह भोजन को चखकर भी देखा। इस अवसर पर महासमुंद जिले के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जिला शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा एवं शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य पुलिस सेवा के 39 अफसरों के तबादले

रायपुर, 22 सितंबर 2022। राज्य शासन ने राज्य पुलिस सेवा संवर्ग के 39 अधिकारियों को प्रशासनिक आधार पर तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव संजय महादेवा को दुर्ग अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दुर्ग संजय ध्रुव को रायगढ़ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायगढ़ लखन पटले को राजनांदगांव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायपुर शहर सुखनंदन राठौर को सहायक पुलिस महानिरीक्षक गुप्त वार्ता अतिरिक्त प्रभार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एटीएस पुलिस मुख्यालय रायपुर पदस्थ किया गया है। एआईजी गुप्तवार्ता अभिषेक माहेश्वरी को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायपुर शहर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीटीएस बोरगांव सचिन्द्र चौबे को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीताम्बर पटेल को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रोटोकाल रायपुर, नगर पुलिस अधीक्षक माना लालचंद मोहले अनुविभागीय पुलिस अधिकारी खैरागढ़, सीएसपी छावनी दुर्ग कौशलेन्द्र पटेल डीएसपी

चिटफंड वित्तीय नियंत्रण प्रकोष्ठ रायपुर रेंज, डीएसपी मुख्यालय दुर्ग अभिषेक झा एसडीओपी वाड्रफनगर, सीएसपी कोतवाली बिलासपुर स्नेहिल साहू एसडीओपी सारंगढ़, सीएसपी सिविल लाइन बिलासपुर मंजूलता बाज डीएसपी मुख्यालय महासमुंद, डीएसपी चिटफंड प्रकोष्ठ रायपुर अमित पटेल सीएसपी राजनांदगांव, सीएसपी कोरबा योगेश साहू नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली रायपुर, सीएसपी दर्री कोरबा लितेश सिंह डीएसपी कोण्डागांव, एसडीओपी खैरागढ़ दिनेश सिन्हा डीएसपी क्राइम रायपुर, एसडीओपी कुरूद धमतरी अभिषेक केशरी एसडीओपी सरायपाली, एसडीओपी डोंगरगढ़ कृष्ण पटेल एसडीओपी कुरूद धमतरी, एसडीओपी फरसगांव मणीशंकर चन्द्रा डीएसपी मुख्यालय दुर्ग, डीएसपी (बालक विरूद्ध अपराध अन्वेषण शाखा) बीजापुर नेहा पवार को डीएसपी (बालक विरूद्ध अपराध अन्वेषण शाखा) धमतरी, एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा सीएसपी उरला, सीएसपी उरला विश्व दीपक त्रिपाठी सीएसपी कोरबा, डीएसपी रायपुर आशा कुमारी डीएसपी दंतेवाड़ा, डीएसपी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट बस्तर ललिता मेहर उप पुलिस अधीक्षक रायपुर, डीएसपी कोण्डागांव प्रतिभा चंद्रा एसडीओपी बागबाहरा, डीएसपी (बालक विरूद्ध अपराध अन्वेषण शाखा) कांकेर चित्रा वर्मा डीएसपी मुख्यालय रायपुर, एसडीओपी वाड्रफनगर अनिल विश्वकर्मा एसडीओपी फरसगांव, एसडीओपी कुटरू जिला बीजापुर अभिनव उपाध्याय सीएसपी रायगढ़, डीएसपी (बालक विरूद्ध अपराध अन्वेषण शाखा) बलरामपुर ज्योत्सना चौधरी डीएसपी अजाक रायपुर, एसडीओपी सारंगढ़ प्रभात पटेल एसडीओपी डोंगरगढ़, एसडीओपी बागबाहरा कपिल चंद्रा एसडीओपी किरंदुल दंतेवाड़ा, डीएसपी ट्रेफिक रायपुर सतीष ठाकुर डीएसपी ट्रैफिक दुर्ग, डीएसपी ट्रैफिक दुर्ग गुरजीत सिंह डीएसपी ट्रैफिक रायपुर, एसडीओपी किरंदुल कर्ण कुमार उइके सीएसपी दल्लीराजहरा, सीएसपी दल्लीराजहरा मनोज तिर्की एसडीओपी बेमेतरा, एसडीओपी सराईपाली विकास पाटले एसडीओपी कुटरू जिला बीजापुर, डीएसपी ट्रैफिक रायपुर बिन्दराज डीएसपी ट्रैफिक दुर्ग, डीएसपी ट्रैफिक रायपुर कामता प्रसाद दीवान डीएसपी ट्रैफिक अम्बिकापुर तथा डीएसपी मुख्यालय महासमुंद कल्पना वर्मा को सीएसपी माना पदस्थ किया गया है।

11 भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों का नवीन पदस्थापना आदेश जारी

» मयंक गुज्जर नगर पुलिस अधीक्षक आजाद चौक रायपुर बने

रायपुर, 22 सितंबर 2022। छत्तीसगढ़ शासन गृह विभाग द्वारा राज्य शासन प्रशासनिक आधार के तत्काल प्रभाव से 11 आईपीएस अधिकारियों का नवीन पदस्थापना किया गया है जिसमें सुश्री रत्ना सिंह को नगर पुलिस अधीक्षक आजाद चौक रायपुर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भानूप्रतापपुर, गौरव रामप्रवेश राय नगर पुलिस अधीक्षक राजनंदगांव से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन)बीजापुर, निखिल अशोक रखेचा परिविक्षाधीन भारतीय पुलिस सेवा महासमुंद को नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर, मयंक गुर्जर परिविक्षाधीन भारतीय पुलिस सेवा राजनांदगांव को नगर पुलिस अधीक्षक आजाद चौक रायपुर, सुश्री पूजा कुमार परिविक्षाधीन भारतीय पुलिस सेवा बेमेतरा को नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली बिलासपुर, प्रभात कुमार परिविक्षाधीन भारतीय पुलिस सेवा रायगढ़ को नगर पुलिस अधीक्षक छावनी दुर्ग, बैंकर वैभव रमनलाल परिविक्षाधीन भारतीय पुलिस सेवा दुर्ग को नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग, राजनाला स्मृतिम परिविक्षाधीन भारतीय पुलिस सेवा जगदलपुर को नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर, रॉबिन्स गुरिया परिविक्षाधीन भारतीय पुलिस सेवा अंबिकापुर को नगर पुलिस अधीक्षक दर्री, संदीप कुमार पटेल परिविक्षाधीन भारतीय पुलिस सेवा सूरजपुर को नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाइन बिलासपुर और विकास कुमार परिविक्षाधीन भारतीय पुलिस सेवा बिलासपुर को नगर पुलिस अधीक्षक बस्तर किया गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)